CNews सिटी चीफ

वर्ष-16, अंक-04
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

महानता कभी ना गिरने में नहीं है,
बल्कि हर बार गिरकर उठ जाने में है.

सिटी चीफ

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

भगवान महावीर जयंती की हार्दिक शुभकामनाएं

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, गुरुवार 10 अप्रैल 2025

आरबीआई के फैसलते से मिडिल क्लास को राहत

होम लोन से लेकर कार लोन तक सब कुछ होगा सस्ता

नई दिल्ली। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने लगातार दूसरी बार रेपो रेट में कटौती कर आम आदमी को बड़ी राहत दी है। आज 9 अप्रैल को आरबीआई ने रेपो रेट को 0.25 प्रतिशत घटाकर 6 प्रतिशत करने का फैसला किया। इससे पहले 7 फरवरी 2025 में आरबीआई ने रेपो दर में 0.25 प्रतिशत की कटौती कर इसे 6.25 प्रतिशत किया गया था। यह मई 2020 के बाद पहली कटौती और ढाई साल में पहला रिविजन था। रेपो दर में कमी का असर मिडिल क्लास पर अधिक होता है। ऐसा इसलिए क्योंकि रेपो रेट में कटौती के बाद बैंक और वित्तीय संस्थानों को आरबीआई से कम लागत पर फंड उधार में मिल जाते हैं। इससे होम लोन, ऑटो लोन और नए पर्सनल लोन पर ब्याज दरें कम हो सकती हैं और आम लोगों का ईएमआई का बोझ कम होता है। आरबीआई गवर्नर संजय मल्होत्रा ने कहा, मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) के सदस्यों ने नीतिगत रेपो दर को तत्काल प्रभाव से 25 आधार अंकों से घटाकर 6ब्र करने के लिए मतदान किया। इस दौरान गवर्नर ने वैश्विक विकास के लिए नई चुनौतियों की ओर इशारा भी किया।

जानते हैं मॉनेटरी पॉलिसी बैठक की मुख्य बातें

- प्रमुख ब्याज दर (रेपो) को 0.25 प्रतिशत घटाकर 6 प्रतिशत किया गया। रेपो दर में लगातार दूसरी बार चौथाई प्रतिशत की कटौती की गई।
- केंद्रीय बैंक के मौद्रिक रुख को 'तटस्थ' से बदलकर 'उदार'करते हुए आगे ब्याज दर में एक और कटौती का संकेत दिया।

इससे ग्राहकों के लिए कर्ज की मासिक किस्त (ईएमआई) में और कमी आ सकती है।
- आरबीआई ने अर्थव्यवस्था की जरूरतों के अनुसार भारतीय राष्ट्रीय भुगतान निगम (एनपीसीआई) को 'ग्राहकों से दुकानदारों'को यूपीआई (यूनिफाइड पेमेंट इंटरफेस) के माध्यम से लेनदेन की सीमा में संशोधन की अनुमति देने का निर्णय किया है। हालांकि, एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति के बीच यूपीआई के जरिये लेनदेन की सीमा पहले की तरह एक लाख ही रहेगी। वर्तमान में ग्राहकों से दुकानदारों (पी टू एम) को पूंजी बाजार, बीमा, जैसे मामलों में प्रति लेनदेन दो लाख रुपये, जबकि कर भुगतान, शैक्षणिक संस्थानों, अस्पताल, आईपीओ के लिए भुगतान सीमा पांच लाख रुपये है।
- वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की वृद्धि दर के अनुमान को 6.7 प्रतिशत से घटाकर 6.5 प्रतिशत किया गया। मल्होत्रा ने कहा कि निवेश गतिविधियों में तेजी आई है और उच्च क्षमता उपयोग, सरकार के बुनियादी ढांचे पर खर्च को लेकर जोर, बैंकों और कंपनियों के बेहतर बही-खाते और वित्तीय स्थितियों में सुधार के कारण आगे निवेश और बढ़ने की उम्मीद है।
- आरबीआई का कहना है कि व्यापार शुल्क संबंधी उपायों ने अनिश्चितताओं को और बढ़ा दिया है, जिससे विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक परिदृश्य पर असर पड़ रहा है। वित्त वर्ष 2025-26 के लिए मुद्रास्फीति अनुमान को 4.2 प्रतिशत से घटाकर चार प्रतिशत किया गया।
- आरबीआई ने सोने के आभूषणों और गहनों के बदले दिए जाने वाले लोन को लेकर मौजूदा नियमों की समीक्षा करते हुए नए मसौदा दिशा-निर्देश जारी किए हैं। आरबीआई ने कहा कि सोने के बदले कर्ज से संबंधित प्रस्तावित दिशानिर्देशों का मकसद नियमों को सख्त करना नहीं, बल्कि लेंडर के व्यवहार को सुसंगत करना है। बता दें कि इन लोन का उपयोग आम तौर पर कंजम्पशन और इनकम जेनरेट दोनों उद्देश्यों के लिए किया जाता है।
- केंद्रीय बैंक ने को-लोन देने के दायरे का विस्तार करने और सामान्य विनियामक ढांचा जारी करने का प्रस्ताव किया। एमपीसी की 54वीं बैठक की पूर्ण जानकारी 23 अप्रैल को प्रकाशित की जाएगी।
- आरबीआई ने बैंकों और वित्तीय संस्थानों के फंसे हुए कर्जों (स्ट्रेस्ड एसेट्स) के समाधान के लिए एक नए ढांचे सिक्योरिटाइजेशन ऑफ स्ट्रेस्ड एसेट्स फ्रेमवर्क पर मसौदा दिशा-निर्देश जारी किया है। यह नया ढांचा फंसे हुए कर्जे के सिक्योरिटाइजेशन (प्रतिभूतिकरण) को बढ़ावा देगा। सिक्योरिटाइजेशन एक ऐसी प्रक्रिया है जिसमें इन फंसे हुए कर्जों को मिलाकर प्रतिभूतियों में बदला जाता है और फिर निवेशकों को बेचा जाता है। इससे बैंकों को जोखिम कम करने और ऐसे कर्जों से निकलने का एक रास्ता मिलेगा।

क्या है रेपो रेट?

रेपो रेट वह दर होती है जिस पर ऋब्ब्र बैंकों को कर्ज देता है। बैंक इस कर्ज से ग्राहकों को लोन देते हैं। रेपो रेट कम होने का मतलब है कि बैंक से मिलने वाले कई तरह के कर्ज, जैसे होम लोन, कार लोग अब सस्ते हो जाएंगे। हालांकि बैंक ईएमआई में कब तक और कितनी कटौती करेंगे यह उन पर निर्भर करता है। भारतीय रिजर्व बैंक की माद्रिक नीति समिति हर दो महीने के अंतराल पर होने वाली अपनी तीन दिवसीय बैठक में रेपो दर को घटाने, बढ़ाने या स्थिर रखने पर फैसला लेती है।

4 से 6 जून को अलगी बैठक

बता दें कि आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति की चालू वित्त वर्ष 2025-26 में 6 बैठकें होगी। पहली बैठक 7 से 9 अप्रैल तक थी। अब एमपीसी की अगली बैठक चार से छह जून, 2025 को होगी।

नवकार महामंत्र' से पीएम मोदी ने दिया शांति और आध्यात्मिक जागृति का संदेश

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नवकार महामंत्र दिवस में हिस्सा लिया। उन्होंने दिल्ली के विज्ञान भवन में नवकार महामंत्र का जाप किया। महावीर जयंती पर जैन धर्म के 24वें तीर्थंकर भगवान महावीर के जन्म का जश्न मनाया जाता है। पवित्र जैन मंत्र के जरिए शांति, आध्यात्मिक जागृति और सद्भाव को बढ़ावा देने के लिए 108 देशों के लोग भी इस कार्यक्रम में शामिल हुए। नवकार महामंत्र कार्यक्रम में श्रद्धा प्रकट करने के लिए पीएम मोदी बिना जूते पहने आए। वे मंच पर नहीं बैठे, बल्कि सभी लोगों के साथ बैठे।

पीएम मोदी ने इस मौके पर कहा कि जैन धर्म ने भारत की पहचान स्थापित करने में अमूल्य भूमिका निभाई है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इसके मूल्य आतंकवाद, युद्ध और पर्यावरण संरक्षण से जुड़ी वैश्विक चुनौतियों से पार पाने में मददगार हैं। मोदी ने नवकार महामंत्र दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि उनकी सरकार इस प्राचीन धर्म की विरासत और शिक्षाओं के संरक्षण के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि तीर्थंकरों की शिक्षाओं और मूर्तियों के जरिए इस धर्म का प्रभाव संसद भवन पर दिखाई देता है।

जैन धर्म भारत की आध्यात्मिक भव्यता की रीढ़ अनेकांतवाद के सिद्धांत का हवाला देते हुए मोदी ने कहा कि दुनिया को इसकी बहुत जरूरत है क्योंकि इसके तहत विभिन्न दृष्टिकोणों की सराहना की जाती है। अनेकांतवाद जैन धर्म में गैर-निरपेक्षता को बढ़ावा देने वाला एक प्रमुख सिद्धांत है। इसके तहत यह माना जाता है कि अंतिम सत्य को अलग-अलग तरीके से देखा जा सकता है। उन्होंने कहा कि जैन धर्म में जीवन की पारस्परिक निर्भरता का खासा महत्व है और इसलिए इसमें मामूली हिंसा पर भी रोक है। प्रधानमंत्री ने कहा कि यह शांति, सद्भाव और पर्यावरण संरक्षण के लिए सबसे अच्छा सबक है। मोदी ने कहा कि जैन साहित्य भारत की आध्यात्मिक भव्यता की रीढ़ है। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार इसे संरक्षित करने के लिए कई कदम उठा रही है, जिसमें इसके प्राचीन ग्रंथों का डिजिटलीकरण और पाली व प्राकृत को शास्त्रीय भाषा घोषित करने की हालिया योजना भी शामिल है।

पीएम मोदी ने 9 प्रतिज्ञाएं लेने का किया अनुरोध मोदी ने लोगों से जल संरक्षण, अपनी मां की याद में एक पेड़ लगाना, स्वच्छता को बढ़ावा देना, स्थानीय लोगों के लिए मुखर होना, देश में यात्रा करना, प्राकृतिक खेती को अपनाना, मोटे अनाजों का अधिक सेवन कर स्वस्थ जीवनशैली अपनाना और खाद्य तेल के उपयोग में 10 प्रतिशत की कटौती करना, गरीबों की मदद करना और खेल तथा योग को दिनचर्या में सम्मिलित करने समेत नौ प्रतिज्ञाएं लेने का अनुरोध किया। उन्होंने कार्यक्रम में मौजूद लोगों से देश भर में एकता का संदेश ले जाने और भारत माता की जय कहने वाले किसी भी व्यक्ति को गले लगाने को कहा।

सोफे पर गांधी परिवार, खरगे को थमाई 'कोने वाली कुर्सी'!

नई दिल्ली। भाजपा ने एक बार फिर कांग्रेस और उसके आलाकमान पर दलित विरोधी राजनीति करने का आरोप लगाया। दरअसल, कांग्रेस कार्यसमिति की बैठक अमहदाबाद में चल रही है। इससे जुड़ा एक वीडियो भाजपा नेता अमित मालवीय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट किया। इसमें दिखाया गया कि कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के लिए अलग से कुर्सी लगाई गई, जबकि सोनिया गांधी और राहुल गांधी बीच में लगे सोफे पर बैठे थे। अमित मालवीय ने लिखा, पहले खरगे जी का सम्मान करना सीखो। वह कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष हैं। उनकी कुर्सी किनारे पर लगाने का क्या मतलब था? यह साफ दर्शाता है कि कांग्रेस दलित विरोधी है।

राहुल के हमले पर मालवीय का पलटवार दरअसल, अमित मालवीय का पोस्ट राहुल गांधी के वीडियो ट्वीट के जवाब में आया, जिसमें राहुल ने भाजपा पर दलित विरोधी मानसिकता रखने का आरोप लगाया था। राहुल ने एक वीडियो डालकर लिखा था, भाजपा की दलित विरोधी और मनुवादी सोच का एक और उदाहरण! भाजपा लगातार दलितों को अपमानित और संविधान पर आक्रमण करती आ रही है। इसलिए संविधान का सिर्फ सम्मान नहीं, उसकी सुरक्षा भी जरूरी है। मोदी जी, देश संविधान और उसके आदर्शों से चलेगा, मनुस्मृति से नहीं जो बहुजनों को दूसरे दर्जे का नागरिक मानती है।

क्या है मामला और राजस्थान से इसका क्या कनेक्शन? मामला दो दिन पहले 7 अप्रैल को शुरु हुआ। जब कांग्रेस ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर एक वीडियो शेयर किया और भाजपा पर दलित विरोधी होने का आरोप लगाया। कांग्रेस ने लिखा, राजस्थान विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीका राम जूली दलित समाज से आते हैं। वे रामनवमी के दिन राम मंदिर में दर्शन के लिए गए। इसके बाद भाजपा के पूर्व विधायक और नरेंद्र मोदी के चहेते ज्ञानदेव आहूजा ने राम मंदिर को गंगाजल से धोया। आहूजा का कहना है कि दलित अपवित्र होते हैं। अपवित्र लोग मंदिर में आ गए थे, इसलिए हमने राम मंदिर को गंगाजल से धो दिया।

भाजपा और संघ को जमकर घेरा कांग्रेस ने आगे लिखा, ये पहला मामला नहीं है, भाजपा और संघ के लोग लगातार दलितों का अपमान करते रहे हैं। मोदी के करीबी ज्ञानदेव आहूजा ने जो किया है, वह भाजपा की दलित विरोधी मानसिकता का जीता-जागता सबूत है। साफ है- भाजपा दलित विरोधी है और यही इनका असली चाल, चरित्र और चेहरा है। वो तो संविधान की वजह से भाजपा के लोग दलितों को बर्दाशत कर रहे हैं और इसलिए ये बार-बार संविधान बदलने की बात भी करते हैं।

फ्रांस से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान खरीदने के लिए मेगा डील मंजूर

भारत ने फ्रांस से 26 राफेल मरीन लड़ाकू विमान खरीदने के लिए मेगा डील को मंजूरी दे दी है। 63,000 करोड़ रुपये से अधिक के इस सरकारी सौदे पर जल्द ही हस्ताक्षर किए जा सकते हैं। इस सौदे के तहत भारतीय नौसेना को 22 सिंगल-सीटर और चार ट्विन-सीटर विमान मिलेंगे। सरकारी सूत्रों के हवाले से समाचार एजेंसी एएनआई ने यह दावा किया है। यह सौदा भारतीय वायुसेना के राफेल विमानों की क्षमताओं को भी अपग्रेड करने में मदद करेगा। राफेल-एम जेट को भारतीय नौसेना के विमानों के बेड़े में शामिल किया जाएगा। सूत्रों के मुताबिक, इस मेगा खरीद परियोजना को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता वाली सुरक्षा मामलों की कैबिनेट समिति ने मंजूरी दे दी है। जुलाई 2023 में रक्षा मंत्रालय ने फ्रांस से 26 राफेल समुद्री जेट विमानों की खरीद को मंजूरी दी थी। इसे स्वदेशी विमानवाहक पोत आईएनएस विक्रांत पर तैनात किया जाएगा। मंत्रालय ने फ्रांस से तीन स्कॉर्पीन पनडुब्बियों की खरीद को भी मंजूरी दी थी। हालांकि, सीसीएस ने अभी तक इस परियोजना को मंजूरी नहीं दी है। भारतीय वायु सेना ने उड़ान भरने की स्थिति में 36 राफेल लड़ाकू विमान खरीदे हैं। भारतीय नौसेना की सामरिक ताकत में इजाफा राफेल-एम जेट फ्रांस की डसॉल्ट एविएशन कंपनी की ओर से तैयार किए गए भारतीय वायुसेना के राफेल विमानों की तरह अत्याधुनिक तकनीक और क्षमता से लैस होंगे। यह विमान भारतीय नौसेना के लिए एक गेम-चेंजर साबित होंगे, जो समुद्र में संचालन की क्षमता को बढ़ाएंगे।

सीएम ममता बनर्जी का खुला ऐलान

वक्फ कानून पश्चिम बंगाल में नहीं होगा लागू

कोलकाता। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को कहा कि राय में वक्फ (संशोधन) अधिनियम लागू नहीं किया जाएगा। कोलकाता में जैन समुदाय के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए बनर्जी ने कहा कि वह अल्पसंख्यकों की और उनकी संपत्ति की रक्षा करेंगी। मुख्यमंत्री बनर्जी ने कहा, मैं जानती हूं कि वक्फ अधिनियम के लागू होने से आप दुखी हैं। आप भरोसा रखें, बंगाल में ऐसा कुछ नहीं होगा जिससे कोई बांटकर राज कर सके। तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख बनर्जी ने लोगों से उन लोगों की बातों पर ध्यान नहीं देने की अपील की जो उन्हें राजनीतिक आंदोलन शुरू करने के लिए उकसाते हैं। जाहिर तौर पर मुर्शिदाबाद जिले में वक्फ (संशोधन) विधेयक को लेकर मंगलवार को हुई हिंसा का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, बांग्लादेश के सीमावर्ती क्षेत्रों की स्थिति देखिए। वक्फ विधेयक को अभी पारित नहीं किया जाना चाहिए था। बंगाल में हमारे पास 33 प्रतिशत अल्पसंख्यक हैं, मैं उनके साथ क्या करूंगी? वक्फ (संशोधन) विधेयक तीन अप्रैल को लोकसभा द्वारा और उसके अगले दिन तड़के लंबी बहस के बाद रायसभा द्वारा पारित कर दिया गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने शनिवार को विधेयक को अपनी मंजूरी दे दी।

दीदी आपकी और आपकी संपत्ति की रक्षा करेगी बनर्जी ने कहा, इतिहास बताता है कि बंगाल, बांग्लादेश, पाकिस्तान और भारत सभी एक साथ थे। विभाजन बाद में हुआ और जो लोग यहां रह रहे हैं, उन्हें सुरक्षा देना हमारा काम है। बनर्जी ने कहा कि अगर लोग एकजुट हों तो वे दुनिया जीत सकते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा, कुछ लोग आपको इकट्ठा होने और आंदोलन शुरू करने के लिए उकसाएंगे। मैं आप सभी से ऐसा न करने की अपील करूंगी। कृपया याद रखें कि जब दीदी (बनर्जी) यहां हैं, तो वह आपकी और आपकी संपत्ति की रक्षा करेंगी। हमें एक-दूसरे पर भरोसा रखना होगा।

तहव्वुर राणा की वापसी से खुलेगा पाकिस्तान का 26/11 कनेक्शन!

नई दिल्ली। मुंबई में हुए 26/11 आतंकवादी हमलों के आरोपी तहव्वुर हुसैन राणा को जल्द ही अमेरिका से भारत लाया जा सकता है। भारतीय जांच एजेंसियों का मानना है कि उसकी वापसी से इस भयावह आतंकी हमले में पाकिस्तान के सरकारी एजेंटों की संलिप्तता का पर्दाफाश हो सकता है। सूत्रों के अनुसार, राणा अमेरिका में अपनी सभी कानूनी अपीलें हार चुका है और अब उसकी भारत को प्रत्यर्पण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। भारत की एक मल्टी-एजेंसी टीम पहले ही अमेरिका पहुंच चुकी है ताकि उसे भारत लाया जा सके। आरोपी तहव्वुर राणा ने अमेरिका की अदालतों में अपने प्रत्यर्पण को रोकने के लिए कई बार अपील की। लेकिन सुप्रीम कोर्ट ने हाल ही में उसकी अंतिम अपील खारिज कर दी। जस्टिस एलेना केगन और फिर चीफ जस्टिस जॉन रॉबर्ट्स की अदालत में उसकी अर्जी अस्वीकार कर दी। इसका मतलब है कि अब राणा को भारत लाने में कोई कानूनी अड़चन नहीं बची है। भारत में तहव्वुर राणा को लाकर पहले एनआईए की हिरासत में रखा जाएगा, ताकि उससे पूछताछ की जा सके। जांच एजेंसियां यह जानने की कोशिश करेंगी कि उसने किन-किन ठिकानों की रेकी की? किस

पाकिस्तानी अधिकारी से उसका सीधा संपर्क था? हेडली और अन्य आतंकियों के साथ उसकी बातचीत में क्या योजनाएं बनीं?

भारत में तहव्वुर राणा की भूमिका राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने तहव्वुर राणा को 26/11 हमलों के सह-साजिशकर्ता के रूप में चार्जशीट किया है। आरोप है कि उसने डेविड हेडली को भारत में ठहरने और घूमने के लिए लॉजिस्टिक सपोर्ट दिया। मुंबई, दिल्ली, कोच्चि, आगरा, हापुड़ और अहमदाबाद में उसके साथ यात्रा की। चाबड़ हाउस और राष्ट्रीय रक्षा कॉलेज जैसे ठिकानों की रेकी में मदद की। आतंकवादी संगठनों लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और हरकत-उल-जिहादी-इस्लामी (एचयूजेआई) से संबंध बनाए रखे।

आतंकी हमले में पाकिस्तान की भूमिका जांच एजेंसियों का मानना है कि तहव्वुर राणा की गवाही से उन पाकिस्तानी सरकारी अधिकारियों की भूमिका उजागर हो सकती है जो 26/11 की साजिश में शामिल थे। इनमें पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई के अधिकारी जैसे मेजर इकबाल और मेजर समीर अली शामिल हैं। इसके अलावा हाफिज सईद (लश्कर-ए-तैयबा का मुखिया), जकी-उर-रहमान लखवी, साजिद मजीद, इलियास कश्मीरी, अब्दुर रहमान हाशिम सईद उर्फ मेजर अब्दुर रहमान (पासा) के नाम भी इस हमले की साजिश में सामने आए हैं।

इंदौर से जम्मू-कश्मीर और वैष्णोदेवी के बीच चलेगी समर स्पेशल ट्रेन

इंदौर। इंदौर से जम्मू-कश्मीर और वैष्णोदेवी के बीच समर स्पेशल ट्रेन चलने की संभावना है। बताया जा रहा है कि यह ट्रेन अप्रैल के आखिरी सप्ताह से शुरू हो सकती है। इंदौर से श्री माता वैष्णोदेवी कटरा स्टेशन के लिए चलने वाली इस नई समर स्पेशल ट्रेन की मांग सांसद शंकर लालवानी ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव सहित रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों से की थी। सांसद लालवानी का कहना है कि जल्द ही इस ट्रेन की घोषणा हो सकती है और इसी माह के अंत तक इसका संचालन शुरू होने की उम्मीद है। सांसद लालवानी ने बताया कि हाल ही में दिल्ली में रेल मंत्री से मुलाकात कर उन्होंने इंदौर से कटरा के लिए समर स्पेशल ट्रेन की मांग रखी थी, जिस पर मंत्री ने सहमति दी थी। उन्होंने बताया कि रेलवे अधिकारियों से हुई बातचीत के अनुसार, यह ट्रेन अप्रैल के अंत तक शुरू की जा सकती है। इस ट्रेन के शुरू होने से इस मार्ग पर यात्रा करने वाले यात्रियों को टिकट कन्फर्म कराने के लिए ज्यादा इंतजार नहीं करना पड़ेगा और यात्रा सुगम हो सकेगी।

अभी महू से कटरा के बीच सिर्फ मालवा एक्सप्रेस गौरतलब है कि इस मार्ग पर वर्तमान में केवल महू से कटरा के बीच मालवा एक्सप्रेस ही संचालित होती है, जिसमें साल भर वेटिंग की स्थिति बनी रहती है। गर्मी की छुट्टियों में जम्मू-कश्मीर घूमने और माता वैष्णोदेवी के दर्शन के लिए जाने वाले यात्रियों की संख्या बढ़ जाती है, जिससे वेटिंग की स्थिति और गंभीर हो जाती है और यात्रियों को परेशानी का सामना करना पड़ता है।

फिलहाल तीन समर स्पेशल ट्रेनें चल रही हैं इंदौर से वर्तमान में तीन समर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है। इनमें एक पुणे, एक निजामुद्दीन और एक पटना के लिए है। ये सभी ट्रेनें नियमित नहीं हैं और हफ्ते में कुछ दिन ही चलाई जाती हैं। सांसद लालवानी ने बताया कि वैष्णोदेवी के साथ-साथ इंदौर से दिल्ली और मुंबई सहित अन्य प्रमुख शहरों के लिए भी अतिरिक्त ट्रेनों की मांग की गई है।

पराली जलाने से बढ़ा प्रदूषण, केंद्र से जारी हुए खतरनाक आंकड़े

इंदौर। इंदौर में खुले स्थानों पर कचरा जलाने के साथ-साथ फसल कटाई के बाद खेतों में पराली यानी नरवाई जलाने के मामले भी बढ़ते जा रहे हैं। केंद्रीय पर्यावरण और वन मंत्रालय इन घटनाओं को लेकर लगातार दिशा-निर्देश जारी कर रहा है। साथ ही सभी जिलों की रैंकिंग भी की जा रही है और मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा सेटेलाइट डाटा की रिपोर्ट कलेक्टरों को भेजी जा रही है, ताकि वे अपने जिलों में इस पर कार्रवाई कर सकें। इंदौर में भी 186 स्थानों पर पराली और कचरे को जलाने की घटनाएं सामने आई हैं, जिनकी जानकारी सेटेलाइट डाटा के माध्यम से प्राप्त हुई है। किसानों के विरोध के कारण कई जिलों में कलेक्टर पराली जलाने की घटनाओं पर सख्त कार्रवाई नहीं कर पाते हैं। जबकि केंद्र सरकार, प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड और एनजीटी लगातार इस संबंध में कड़े दिशा-निर्देश जारी कर रहे हैं। मध्यप्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड द्वारा एकत्र किए गए सेटेलाइट डाटा के आधार पर संबंधित जिलों के कलेक्टरों को इस मामले में कार्रवाई करने के लिए सूचित किया गया है। इस डाटा में होशंगाबाद जिले में सबसे ज्यादा 292 स्थानों पर पराली जलाने की घटनाएं मिली हैं। इसके बाद छिंदवाड़ा, सागर, उज्जैन और सिहोर जैसे जिलों में भी यह समस्या अधिक है। इंदौर जिले में भी 186 स्थानों पर कचरा और पराली जलाने के मामले सामने आए हैं।

प्रमुख सचिव पर्यावरण की सख्त निगरानी प्रमुख सचिव पर्यावरण ने भी इस मामले पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने सभी कलेक्टरों को आग की घटनाओं की रोजाना रिपोर्ट भेजने का आदेश दिया है। साथ ही, इन घटनाओं पर नियंत्रण करने के लिए सख्त कार्रवाई करने की हिदायत दी है। यह प्रयास इसलिए किया जा रहा है ताकि पर्यावरण पर होने वाले नुकसान को कम किया जा सके और प्रदूषण के स्तर को नियंत्रित किया जा सके। केंद्र और राज्य सरकार की ओर से इस दिशा में लगातार प्रयास किए जा रहे हैं, ताकि इस समस्या का समाधान निकाला जा सके।

किसानों को जागरूक करने के लिए प्रचार रथ अभियान इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह ने किसानों को जागरूक करने के लिए एक प्रचार रथ तैयार करवाया है, जो जिले के सभी विकासखंडों की ग्राम पंचायतों में जाएगा। इस रथ के माध्यम से किसानों को अवशेष नरवाई यानी पराली के सुरक्षित प्रबंधन के बारे में जानकारी दी जाएगी। कलेक्टर सिंह ने बताया कि 16 अप्रैल तक कृषि से जुड़े सभी मैदानी अधिकारियों, पटवारियों और पंचायत सचिवों के साथ मिलकर कृषक संवाद कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। किसानों से अपील की गई है कि वे पराली न जलाएं, क्योंकि यह पर्यावरण को नुकसान पहुंचाता है। इसके बजाय पराली से भूसा और जैविक खाद बनाई जा सकती है। अन्यथा शासन के नोटिफिकेशन के आधार पर पर्यावरण क्षतिपूर्ति के रूप में आर्थिक दंड भी लगाया जाएगा।

रेवती रेंज की पहाड़ी पर लगाए पौधे, सीवरेज के पानी से सींचेंगे

इंदौर। रेवती रेंज की पहाड़ी के पौधों तक सीवरेज का पानी पहुंचाने के लिए नगर निगम 10 करोड़ रुपए खर्च करेगा। इस ठेके में नगर निगम को 16 लाख रुपए की बचत का भी अनुमान है। इस कार्य के लिए नगर निगम ने एक टेंडर जारी किया था, जिसमें दो कंपनियों ने इस काम को करने में रुचि व्यक्त की। निगम को इस काम के लिए न्यूनतम 10.06 करोड़ रुपए का ऑफर मिला, जो पहले अनुमानित 10.22 करोड़ रुपए से कम है। पिछले मानसून के दौरान, प्रदेश के नगरीय प्रशासन मंत्री कैलाश विजयवर्गीय की पहल पर उज्जैन रोड स्थित रेवती रेंज की पहाड़ी पर 12.5 लाख पौधे लगाए गए थे। उस समय एक बड़ी समस्या यह थी कि इन पौधों को जीवित रखने के लिए पानी की व्यवस्था कैसे की जाए। नगर निगम ने पहाड़ी क्षेत्र में बोरिंग करवाई थी, जिसका इस्तेमाल अब तक इन पौधों को पानी देने के लिए किया जा रहा था। हालांकि, अब निगम ने एक नया टेंडर जारी किया है, जिसमें कबीटखेड़ी से रेवती रेंज की पहाड़ी तक पानी लाने का काम किया जाएगा।

जल पुनर्चक्रण का महत्व नगर निगम द्वारा यह तय किया गया है कि ड्रेनेज का पानी कबीटखेड़ी के ट्रीटमेंट प्लांट से उपचारित होकर रेवती रेंज की पहाड़ी पर पौधों की देखरेख के लिए उपयोग किया जाएगा। इस प्रक्रिया से जल की बचत होगी और पर्यावरण की भी रक्षा होगी। निगम का यह कदम जल पुनर्चक्रण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है, जिससे जल का पुनः उपयोग करके पौधों की देखभाल की जाएगी। इस परियोजना पर नगर निगम का अनुमान था कि 10.22 करोड़ रुपए की लागत आएगी, लेकिन अब यह लागत घटकर 10.06 करोड़ रुपए हो गई है।

कार्य की योजना और विवरण निगम की जनकार्य समिति के प्रभारी राजेंद्र राठौर के अनुसार, इस परियोजना के तहत इंदौर शहर में रेवती रेंज पहाड़ी पर पौधों के लिए 245 एमएलडी एसटीपी कबीटखेड़ी से पानी लाने के लिए विभिन्न कार्य किए जाएंगे। इसमें पंपिंग मेन, पंपिंग मशीनरी, ईएसआर का सर्वेक्षण, मृदा जांच, डिजाइन, आपूर्ति, लाइन बिछाने और कमीशनिंग जैसी गतिविधियां शामिल हैं। दो कंपनियों ने इस टेंडर में भाग लिया था, जिसमें संयुग इंफ्राकॉन प्राइवेट लिमिटेड ने सबसे कम दर दी है। अब नगर निगम इस कंपनी को यह कार्य सौंपने की प्रक्रिया पूरी कर रहा है।

प्रजा का हाल जानने निकलेंगे रामभक्त हनुमान

इंदौर। श्री रामभक्त हनुमान मंदिर सुभाष चौक पर हनुमान जन्मोत्सव का शुभारंभ बुधवार सुबह इकयावन द्रव्यों के रुद्राभिषेक से हुआ। सैकड़ों भक्तों ने तीन घंटे चले इस पवित्र अभिषेक के दर्शन किए और पुण्यलाभ लिया। तत्पश्चात अखंड रामायण शुरू हुआ जिसकी पूर्णाहुति गुरुवार को होगी। मंदिर के मुख्य पुजारी जीतू गुरु ने बताया कि भक्त मंडल द्वारा चार दिवसीय इस उत्सव की उत्साह से तैयारी की जा रही है। इस क्रम में 11 अप्रैल की प्रातः 6 बजे रामभक्तहनुमान प्रजा का हाल जानने निकलेंगे। वे इस दौरान भक्तों की अर्जियां भी स्वीकार करेंगे, जो समुचित विधान से फलित की जाएंगी। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने भी पुनीत उद्देश्य से निकलने वाली इस शोभायात्रा पर खुशी जताई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने बताया मध्य शहर में बाबा का अद्वितीय भ्रमण होगा, जिसमें प्रमुख संतगण शामिल होंगे। इस प्रभात फेरी में शामिल विशेष वाद्य यंत्र, आकर्षक टोलियां, रंगारंग आतिशबाजी, प्रदेश के नामचीन अश्व, भगवान का सुसज्जित रथ, भजन और कीर्तन मंडलिया वातावरण को ऊर्जा प्रदान करेंगी। यह यात्रा सुभाषचौक से निकलकर राजबाड़ा, पीपली बाजार, बर्तन बाजार, बजाजखाना चौक, सीतलामाता बाजार, गोराकुंड, खजुरी बाजार होकर मंदिर प्रांगण पर पूर्ण होगी। मार्ग में पड़ने वाले सभी प्रमुख मंदिरों पर पूजन अर्चना भी होगी। जन्मोत्सव पर्व पर हर दिन हनुमानजी का विशेष श्रृंगार और आरती होगी। 12 अप्रैल को स्वर्ण श्रृंगार किया जाएगा।

मेयर पहुंचे गणेशगंज, मुआवजे के हकदार की दुकान का ताला खुलवाया

इंदौर। इंदौर के गणेशगंज निवासी रविकांत मिश्रा के बकाया संपत्तिकर के लिए दुकान नगर निगम ने सील कर दी थी। दिल्ली से लौटे मेयर पुष्य मित्र भार्गव एयरपोर्ट से सीधे मिश्रा परिवार के घर पहुंचे। उन्होंने दुकान की सील भी खुलवाई और निगम के अफसरों को नोटिस देने और कुर्की करने को लेकर नाराजगी भी जताई रविकांत मिश्रा का मकान वर्ष 2017 में नगर निगम ने सड़क चौड़ीकरण में तोड़ा था। मिश्रा ने जिला कोर्ट के लिए याचिका लगाई थी। कोर्ट ने दो करोड़ रुपये से ज्यादा का मुआवजा तय किया था, लेकिन निगम अफसरों ने मुआवजे की राशि नहीं दी थी। चार मार्च को जब नगर निगम के पेश बजट पर चर्चा हो रही थी, तब जिला कोर्ट के अमले ने राशि वसूलने के लिए निगमायुक्त सहित अन्य अफसरों के वाहन जब्त कर नोटिस चस्पा कर दिया था। निगम ने हाईकोर्ट की शरण ली और स्टे मिल गया। इसके बाद मिश्रा के घर निगम का अमला पहुंचा और आवासीय मकान पर व्यापारिक गतिविधियां संचालित करने, बकाया संपत्तिकर का नोटिस देते हुए दुकान सील कर दी थी। निगम के इस पलटवार की चर्चा रही। इस बीच बुधवार को मेयर पुष्य मित्र ने मिश्रा के घर जाकर कहा कि वे उनके व गणेशगंज रहवासियों के साथ है। आपको बता दे कि गणेशगंज सड़क निर्माण में 200 से ज्यादा बाधक हिस्सों को तोड़ा गया था। रविकांत मिश्रा के मकान का नक्शा मंजूर था और उनकी संपत्ति की रजिस्ट्री भी थी। उन्होंने सड़क चौड़ीकरण में जमीन लिए जाने के खिलाफ याचिका लगाई थी बीते शुक्रवार को मुआवजा नहीं मिलने पर कोर्ट ने निगमायुक्त कार्यालय सील करने के आदेश दिए थे। इसके महज चार दिन बाद निगम की फायर टीम ने मिश्रा की ही प्रॉपर्टी पर कार्रवाई कर दी। मिश्रा ने जब मौके पर मौजूद अधिकारियों से कारण पूछा, तो उन्हें टालते हुए कहा गया—निगमायुक्त से बात कीजिए।

फायर सेफ्टी के इंतजाम नहीं होने पर बिल्डिंग को किया सील

इंदौर। इंदौर में जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए बुधवार को एक बिल्डिंग को सील कर दिया। बिल्डिंग में 40 ऑफिस बने थे। लेकिन यहां फायर सेफ्टी को लेकर कोई इंतजाम नहीं मिले। कार्रवाई पलासिया क्षेत्र में स्थित रॉयल आर्केड बिल्डिंग में की गई। बिल्डिंग में कई ऑफिस बने हैं। जहां रोजाना कई लोग काम करने आते हैं। बुधवार को भी रोज की तरह यहां बैंक, कोचिंग क्लास और अन्य ऑफिसों में लोग अपना-अपना काम कर रहे थे। दोपहर में जिला प्रशासन और नगर निगम की टीम यहां पहुंची। उन्होंने बिल्डिंग में फायर सेफ्टी की चेकिंग की। सेफ्टी स्टैंडर्ड पूरे नहीं होने पर अधिकारियों ने कार्रवाई का आदेश दिया। जिसके बाद टीम ने बिल्डिंग को खाली करवाया। बताया जा रहा है कि बिल्डिंग मालिक को इस संबंध में पहले ही नोटिस दिया जा चुका था। मगर यहां किराएदारों को इसकी जानकारी नहीं थी। टीम ने बिल्डिंग को सील करने की कार्रवाई के पहले कोचिंग क्लास में पढ़ रहे स्टूडेंट्स को, ऑफिस में काम करने वाले स्टाफ को बाहर कर दिया। इस दौरान हंगामे की भी स्थिति बनी, लेकिन अधिकारियों की समझाइश के बाद मामला शांत हो गया। बता दें कि शहर में फायर सेफ्टी को लेकर अलग-अलग जगह इस तरह की कार्रवाई की जा रही है। गर्मी में आग लगने की बढ़ती घटनाओं को देखते हुए अधिकारियों द्वारा सभी हाई राइज एवं अन्य बिल्डिंग मालिकों को फायर सेफ्टी के सभी मानक पूरे करने के निर्देश दिए गए हैं। इसके बावजूद कई जगह इस पर ध्यान नहीं दिया जा रहा है। अधिकारियों की टीम शहर में अलग-अलग जाकर जांच कर रहे है। जांच में कमी मिलने पर उनके द्वारा कार्रवाई की जा रही है। एसडीएम प्रदीप सोनी के मुताबिक जिला प्रशासन और नगर निगम की संयुक्त कार्रवाई चल रही है। बिल्डिंग की परमिशन के दौरान भी सभी सिस्टम लगाने के लिए कहा जाता है। इस बिल्डिंग में 500 लोग काम कर रहे हैं, लेकिन फायर सेफ्टी का कोई सिस्टम नहीं है। यहां आग लगने पर बड़ी दुर्घटना हो सकती है। इसके चलते फायर सेफ्टी को लेकर बिल्डिंग को सील किया गया।

30 अप्रैल तक राशन कार्डधारकों की ईकेवायसी जरूरी

इंदौर। मध्यप्रदेश में राशन कार्डधारकों की ईकेवायसी और किसानों को गेहूं का भुगतान जल्द करने के लिए बुधवार को महत्वपूर्ण बैठक हुई। खाद्य नागरिक आपूर्ति विभाग की अपर मुख्य सचिव रश्मि शमी ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए समीक्षा की। बैठक में सभी जिलों के कलेक्टर और विभागीय अधिकारी शामिल हुए। अपर मुख्य सचिव ने निर्देश दिए कि राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा योजना के सभी लाभार्थियों की ईकेवायसी 30 अप्रैल तक पूरी करें। मोबाइल ऐप से फेस ऑथेंटिकेशन किया जाएगा। सभी पात्र हितग्राहियों के आधार नंबर पहले ही डेटाबेस में जुड़ चुके हैं। विभाग के आयुक्त कर्मवीर शर्मा ने कहा कि ईकेवायसी के लिए टीमें बनाई जाएं। गांव और मोहल्लों में शिविर लगाए जाएं। रोजाना सत्यापन किया जाए। समय सीमा में ईकेवायसी न कराने वाले लाभार्थियों का नाम काटा जाएगा। गेहूं खरीदी को लेकर निर्देश दिए गए कि सभी किसानों के बैंक खाते आधार से जोड़े जाएं। स्लॉट बुकिंग की आखिरी तारीख 26 अप्रैल है। खरीदी केंद्रों पर तौल कांटों की संख्या बढ़ाई जाए। साथ ही पीने का पानी, छाया और अन्य जरूरी सुविधाएं मुहैया कराई जाएं। बैठक में इंदौर से उपायुक्त राजस्व सपना लोवंशी, सहायक संचालक कृषि नम्रता गुरनानी, नागरिक आपूर्ति के क्षेत्रीय प्रबंधक रिंकेश वैश्य समेत अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

ट्रैफिक थाने के कबाड़ में लगी आग, कार, ऑटो रिक्शा और बाइक खाक

इंदौर। इंदौर के पश्चिम इलाके के ट्रैफिक थाने में बुधवार को आग लग गई। जिसमें कबाड़ में खड़ी हुई गाड़ियां जलकर खाक हो गई। आग के चलते आसपास के इलाके में काफी धुआं फैल गया। फायर ब्रिगेड के मुताबिक घटना दोपहर करीब डेढ़ बजे की है। यहां शार्ट-सर्किट के चलते सूखे पेड़ में आग लग गई थी। आग बढ़ते-बढ़ते वहां खड़े जब्ती के वाहनों तक पहुंच गई। कुछ देर में आग ने भयावह रूप ले लिया। आग से कबाड़ में खड़ी कार, ऑटो रिक्शा और बाइक जल गई। सूचना के बाद यहां जीएनटी मार्केट से दमकल की गाड़ियां मौके पर पहुंची और आग पर काबू किया। आग लगने के चलते कितना नुकसान हुआ है अभी इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। फायर ब्रिगेड के मुताबिक एक टैंक पानी डालकर करीब आधे घंटे में आग पर काबू कर लिया गया था। एसीपी जोन 4 सुप्रिया चौधरी के मुताबिक संभवत आग शार्ट-सर्किट के चलते लगी है। जिसमें ज्यादा सूखे पेड़ और पत्ते जले हैं। वहां कुछ गाड़ियों को भी नुकसान हुआ है। हालांकि फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू किया है।

युवक का अपहरण, कार में लेकर घूमते रहे आरोपी

इंदौर। उधारी के 15 हजार रुपए न चुकाने पर अरविंद भंडारी, करण भंडारी, अजय और उनके एक अन्य साथी ने मंगलवार को सुदामा नगर इंदौर निवासी अर्जुन ठाकुर का आजाद नगर के पालदा से अपहरण कर लिया। आरोपियों ने अर्जुन के परिजनों को फोन किया और रुपयों की मांग की। मामले में पुलिस ने मोबाइल लोकेशन ट्रेस कर तीन आरोपियों को हिरासत में ले लिया, जबकि एक आरोपी अभी फरार है। एडिशनल एसपी आलोक शर्मा ने बुधवार को घटना का खुलासा करते हुए बताया कि अर्जुन ठाकुर ने आरोपियों से 15 हजार रुपए उधार लिए थे। जिसे वापस लेने के लिए अर्जुन का अपहरण किया। चारों आरोपियों ने उसे पालदा से उठा लिया, बंधक बनाकर रखा और गाड़ी में अलग-अलग जगह घुमाते रहे। उसके साथ मारपीट भी की। आरोपियों ने अर्जुन के परिजनों से 15 हजार रुपए मांगे। यह भी कहा कि रुपए मिलने पर अर्जुन को छोड़ देंगे। परिजनों ने 5000 रुपए ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए, फिर भी नहीं छोड़ा तो अर्जुन के भाई उसके भाई उज्जवल सिंह ठाकुर ने पुलिस के पास चले गए। मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस ने अर्जुन के मोबाइल को सर्विलांस पर डाला और आरोपियों की लोकेशन ट्रेस कर ली। पुलिस ने लोकेशन के आधार पर इंदौर-देवास रोड से तीनों आरोपियों को हिरासत में ले लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है। वहीं चौथा आरोपी देवास को बताया जा रहा है, जिसे गिरफ्तार करने पुलिस छापेमारी कर रही है। दुकान से गाड़ी में बैठाकर ले गए थे आरोपी सिसौदिया ने बताया कि आरोपी, अर्जुन को सामान्य बातचीत करते हुए दुकान से उठाकर ले गए थे। बाद में उन्होंने उसके परिजनों को फोन लगाकर उधारी के रुपए वापस करने की मांग की। अर्जुन के भाई उज्जवल ने मोबाइल खरीदने के लिए आरोपियों से 15 हजार रुपए उधार लिए थे। उसने कुछ दिनों में रुपए लौटाने का वादा किया था, पर वह रुपए नहीं लौटा रहा था। इस पर अर्जुन ने आरोपियों को भरोसा दिलाया था कि वह रुपए लौटा देगा। घटना में चार युवक साथ थे। इनमें से तीन को हिरासत में ले लिया गया है। चौथा युवक देवास का रहने वाला है। पुलिस उसकी तलाश में जुटी है। चौथे आरोपी को पकड़ने के लिए पुलिस ईनाम घोषित करने पर विचार कर रही है।

स्व-सहायता समूह से बहनों के जीवन में नए सूर्य का हुआ उदय : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने की पहल में स्व-सहायता समूह की महिलाओं की है प्रमुख भूमिका

स्व-सहायता समूहों से महिलाओं का हो रहा हैं आर्थिक सशक्तिकरण

मुख्यमंत्री कुक्षी में स्व-सहायता समूह सम्मेलन सह-पोषण पखवाड़े कार्यक्रम में हुए शामिल

भोपाल मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा कि स्व-सहायता समूह महिलाओं की आर्थिक एवं सामाजिक स्थिति को बेहतर बनाने का एक सशक्त माध्यम है। इससे न केवल महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा मिल रहा है बल्कि महिलाएं आर्थिक रूप से समृद्ध भी हो रही है। आत्मनिर्भर मध्यप्रदेश बनाने की पहल में स्व-सहायता समूह की महिलाओं की प्रमुख भूमिका है। सशक्त नारी ही समृद्ध प्रदेश का आधार हैद्य मुख्यमंत्री डॉ. यादव बुधवार को धार जिले के कुक्षी में आयोजित स्व-सहायता समूह सम्मेलन सह-पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रदेश में महिला सशक्तिकरण के प्रयासों की जानकारी देते हुए कहा कि प्रदेश की बहनों को निकाय चुनाव में 50त्न आरक्षण दिया जा रहा है। साथ ही 2029 तक लोकसभा एवं विधानसभा चुनावों में महिलाओं को 33त्न आरक्षण के प्रयास भी किये जा रहे हैं। जमीन या मकान की रजिस्ट्री महिला के नाम पर करने पर पंजीयन शुल्क में छूट दी जा रही है। लाड़ली बहना योजना ने महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त किया है। महिला स्व-सहायता समूह की बहनों ने हर क्षेत्र में बेहतर कार्य कर अपना सामर्थ्य दिखाया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन में देशभर की महिलाएं सशक्त हो रही हैं। आज जनजातीय वर्ग की महिला देश की राष्ट्रपति हैं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि भारतीय संस्कृति में हजारों सालों से देवियों की पूजा होती रही है। नवरात्रि में 9 दिन देवी की आराधना की जाती है। दुनिया में भारत ही एकमात्र देश है, जो राष्ट्र को माता मानता है। राज्य सरकार हर माह लाड़ली बहनों के खाते में 1250 रुपए डालकर रक्षाबंधन मना रही है। सभी पात्र लाड़ली बहनों को 1250 रुपए की राशि मिलती रहेगी। अगर बहनों के हाथों में पैसे आएंगे तो परिवार में कुछ बचत होगी। सरकार बहन-बेटियों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी। यह परिवार और समाज को सशक्त बनाने का एक प्रयास है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि गौमाता में 33 करोड़ देवी-देवताओं का वास होता है। प्रदेश के हर घर को गोकुल बनाएंगे। राज्य सरकार द्वारा दूध उत्पादन बढ़ाने के लिए डॉ. भीमराव अंबेडकर के नाम से नई गौपालन योजना बनाई गई है। भविष्य में गौशालाओं के माध्यम से प्रदेश की बहनों के जीवन में भी बड़ा बदलाव आ सकता है। राज्य सरकार उन्हें नए व्यवसाय से जोड़ने के कार्य कर रही है। अब स्व-सहायता समूह की महिलाओं को गौशालाओं से जोड़ेंगे और समूह की महिलाएं दूध से बने उत्पाद जैसे-मिठाई, रबड़ी, कलाकंद तैयार करेंगी। बहन-बेटियों की मिठाई की दुकान खुलेगी, उनकी आय बढ़ेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नारी सशक्तिकरण के लिये प्रतिबद्ध हमारी सरकार ने कपड़ा कारखानों में काम करने वाली बहनों को 5000 रुपए प्रोत्साहन राशि के रूप में अलग से देगी। कंपनी मालिक भी 8000 रुपए मेहनताना देंगे। इस प्रकार उनकी मासिक आय 14 हजार 250 रुपए सुनिश्चित हो जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि सरकार हर वर्ग के कल्याण के लिए 24 घंटे काम कर रही है। राज्य सरकार ने 1 लाख शासकीय पदों पर भर्ती का अभियान शुरू किया है। आने वाले कुछ दिनों में प्रमोशन के लिए स्वीकृति देकर राज्य सरकार 4 लाख से अधिक अधिकारियों और कर्मचारियों को सौगात देगी। सरकार अगले 5 साल में ढाई लाख नौकरी के अवसर प्रदान करेगी। गरीब हो या अमीर, सरकार का काम सभी की भलाई के लिए काम करना है। मध्यप्रदेश के नागरिकों की प्रति व्यक्ति आय में वृद्धि हुई है। स्कूलों में बच्चों को निःशुल्क पढ़ाई के लिए किताब-कॉपियां दी जा रही हैं। मेधावी विद्यार्थियों के लिए साइकिल, स्कूटी और लैपटॉप प्रदान करने की योजनाएं संचालित की जा रही हैं। हमारी सरकार में हर बेरोजगार के हाथ में रोजगार होगा। राज्य सरकार गरीब, किसान, युवा और महिला कल्याण के लिए कार्य कर रही है। मध्यप्रदेश को देश में नंबर-1 राज्य बनाकर छोड़ेंगे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि धार के बदनावर में केंद्रीय सड़क परिवहन मंत्री श्री नितिन गडकरी 10 अप्रैल को धार को देवास से जोड़ने वाली 4 लेन का लोकार्पण करेंगे। इसके साथ ही 5 हजार करोड़ रुपए से ज्यादा की नई सौगातें मिलेंगी। 30 हजार करोड़ रुपए की लागत से बनी राष्ट्रीय राजमार्ग परियोजनाओं के लोकार्पण की सौगात भी मिलेगी। शुक्रवार 11 अप्रैल को प्रधानमंत्री श्री मोदी आनंदपुर धाम आ रहे हैं। इसके बाद रविवार 13 अप्रैल को केन्द्रीय सहकारिता एवं गृह मंत्री श्री अमित शाह सहकारी सम्मेलन में भोपाल आएंगे। सहकारिता कार्यों को गति प्रदान करने के लिए राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड के साथ अनुबंध करेंगे। मुख्यमंत्री ने किया पोषण प्रदर्शनी का अवलोकन मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने स्व-सहायता समूह की सदस्यों द्वारा पोषण पखवाड़े में श्रीअन्न से निर्मित खाद्य पदार्थों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। उन्होंने व्यंजनों की प्रशंसा की। स्व-सहायता समूह की महिलाओं ने साझा किये अपने अनुभव समारोह में ग्राम पिपलिया सरपंच श्रीमती अनीता लोकेश पांचाल ने मंच से जल गंगा संवर्धन अभियान में किए गए बावड़ी जीर्णोद्धार कार्य के अनुभव साझा कर बताया कि पहले बावड़ी बहुत गंदी थी। जनसहयोग एवं जन भागीदारी से बावड़ी का पानी पीने योग्य हो गया है। भविष्य में पंचायत को मॉडल पंचायत के रूप में भी विकसित किया जाएगा। ग्राम झड़दा निवासी सुखली बाई ने स्व-सहायता समूह के अनुभव साझा करते हुए बताया कि पूर्व में उनके घर की स्थिति खराब थी लेकिन श्री सांई स्व-सहायता समूह से जुड़ने के बाद ऋण प्राप्त किया। उन्होंने अपने बच्चों को पढ़ाया और स्वयं का भी एक छोटा व्यवसाय शुरू किया। अब वह लेखा जोखा करना भी सीख गई हैं। बच्चे भी शिक्षित होकर बड़े पदों पर कार्यरत है। केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास राज्यमंत्री श्रीमती सावित्री ठाकुर ने बताया कि बाल्यावस्था में बच्चों को भरपूर पोषण मिले तो वह सशक्त बनेंगे और राष्ट्र को विकसित राष्ट्र बनाने में अपना महत्वपूर्ण योगदान देने में समर्थ होंगे। हमारा दायित्व है कि हम भारत के भविष्य को पोषण दें। वर्तमान सरकार महिलाओं एवं बच्चों के विकास के लिए हर संभव प्रयास कर रही है महिला एवं बाल विकास विभाग के 8 से 22 अप्रैल तक चल रहे 7वें पोषण पखवाड़ा कार्यक्रम को लेकर संवाद एवं समीक्षा की। पोषण पखवाड़े में मुख्य रूप से 4 विषयों पर जोर दिया जा रहा है। ये विषय हैं जीवन के पहले एक हजार दिनों पर ध्यान केंद्रित करना, पोषण ट्रैकर के लाभार्थी मॉड्यूल को लोकप्रिय बनाना, कुपोषण का प्रबंधन और बच्चों में मोटापे को दूर करने के लिए स्वस्थ जीवन शैली। कार्यक्रम में पूर्व मंत्री श्रीमती रंजना बघेल, पूर्व सांसद श्री छतर सिंह दरबार, श्रीमती रेलम चौहान, श्री जगदीप पटेल, श्री चंचल पाटीदार सहित अन्य जनप्रतिनिधिगण सहित वरिष्ठ अधिकारीगण भी उपस्थित रहे।

एनएसई के एमडी और सीईओ आशीषकुमार चौहान ने कहा

अस्थिर स्थिति में उम्मीद की किरण बनकर उभर रहा है भारत

भोपाल। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एनएसई) के एमडी और सीईओ आशीष कुमार चौहान ने वैश्विक आर्थिक चुनौतियों, निवेशकों की सोच और भविष्य की संभावनाओं के बीच भारतीय बाजार के प्रदर्शन पर इंडिया ग्लोबल फोरम, मुंबई एनएक्सटी25 में अपने विचार साझा किए। अपने उच्चतम स्तर से 1.5 ट्रिलियन डॉलर नीचे आने के बावजूद भारतीय कैपिटल मार्केट में लॉन्ग-टर्म ग्रोथ ट्रेजेक्टरी पर जोर देते हुए श्री चौहान ने कहा, 2014 में भारत का मार्केट कैप 1 ट्रिलियन डॉलर से कम था, और आज यह लगभग 5 ट्रिलियन डॉलर तक पहुंच गया है। यह बताता है कि देश में बड़ी मात्रा में संपत्ति का निर्माण हुआ है।

विदेशी निवेशकों के बाहर निकलने को लेकर उन्होंने कहा कि ये ट्रेंड वैश्विक ब्याज दरों में बदलाव और उभरते बाजार में जोखिम से बचने की भावना की वजह से देखा जा रहा है। लेकिन भारत की निर्यात संरचना कुछ ऐसी है, जिसकी वजह से यह ग्लोबल टैरिफ तनावों से काफी हद तक सुरक्षित है। फाइनेंशियल इनक्लूजन (वित्तीय समावेशन) पर बात करते हुए उन्होंने कहा कि छोटे निवेशों से भी मार्केट का आकर बढ़ रहा है। बाजार में उतार-चढ़ाव के समय भी हो रहे, ये डायरेक्ट इंवेस्टमेंट्स इन्वेस्टर की मैच्योर सोच के बारे में बताते हैं। आईपीओ को लेकर उन्होंने बताया कि आईपीओ में स्थिति मजबूत बनी हुई है, केवल मार्च के अंत तक 50 से ज्यादा कंपनियों ने आईपीओ फाइल किये, और 2024 में एनएसई ने कुल 268 आईपीओ की मेजबानी की, जिनसे 19.6 बिलियन डॉलर जुटाए गए, जो दुनिया में अब तक का सबसे अधिक आईपीओ फंड रहा। इनमें से 178 आईपीओ छोटे और मीडियम उद्योगों (एसएमई) से जुड़े थे। कुल मिलाकर एनएसई के जरिए 209 बिलियन डॉलर से ज्यादा का फंड जुटाया गया। अपने संबोधन का संतुलित निष्कर्ष देते हुए, उन्होंने कहा, भारत वैश्विक अस्थिरता के बीच सोच-समझकर आगे बढ़ रहा है। हमारे फंडामेंटल्स अच्छी स्थिति में हैं, और हमारे रेगुलेटर्स तथा सरकार एक स्थिर नेतृत्व प्रदान कर रहे हैं।

आपदा प्रबंधन पर नवाचार संग कार्यशाला का समापन, 51 पुलिस अधिकारी हुए प्रशिक्षित

राज्य स्तरीय आयोजन में पहली बार एनडीआरएफ, एसडीईआरएफ और बीएसएफ के विशेषज्ञ हुए शामिल

भोपाल। आपदा की स्थिति में पुलिस की त्वरित, संगठित और प्रभावी भूमिका को मजबूत करने के उद्देश्य से आयोजित दो दिवसीय डिजास्टर मैनेजमेंट कार्यशाला का समापन आज पुलिस महानिरीक्षक (ग्रामीण, भोपाल जोन) अभय सिंह के मुख्य आतिथ्य में संपन्न हुआ। इस राज्य स्तरीय महत्वपूर्ण आयोजन की अध्यक्षता अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक (प्रशिक्षण) राजा बाबू सिंह ने की। कार्यशाला में राज्य के विभिन्न जिलों से आए 51 पुलिस अधिकारियों को प्रशिक्षित किया गया। यह कार्यशाला इसलिए भी विशेष रही क्योंकि इसमें राज्य आपदा मोचन बल (एसडीईआरएफ), डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट, भोपाल, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) टेकनपुर और राष्ट्रीय आपदा मोचन बल (एनडीआरएफ) के अनुभवी विशेषज्ञों को एक मंच पर आमंत्रित किया गया। यह पहली बार हुआ है जब किसी राज्य स्तरीय पुलिस प्रशिक्षण में इन सभी प्रतिष्ठित आपदा प्रबंधन एजेंसियों ने एक साथ भागीदारी की हो।

प्रमुख वक्ताओं में ये थे शामिल कार्यशाला में विशेषज्ञ वक्ताओं के रूप में डीआईजी होमगार्ड मनीष अग्रवाल, डिजास्टर मैनेजमेंट इंस्टिट्यूट की सहायक निदेशक प्रियंका सक्सेना, बीएसएफ टेकनपुर के निरीक्षक मुकेश कुमार और एनडीआरएफ के डिप्टी कमांडेंट रवि सिंह ने महत्वपूर्ण व्याख्यान दिए। उन्होंने बताया कि आपदा के दौरान पुलिस की क्या भूमिका होनी चाहिए, किस तरह से खतरे का अनुमान लगाकर त्वरित निर्णय लिए जाएं, और किस प्रकार के उपकरणों एवं यंत्रों का उपयोग कर आमजन को सुरक्षित किया जा सकता है।

आधुनिक यंत्रों का लाइव डेमो इस प्रशिक्षण का विशेष आकर्षण रहा आपदा प्रबंधन के आधुनिक यंत्रों और तकनीकों का डेमोंस्ट्रेशन, जो एसडीईआरएफ और एनडीआरएफ की टीमों द्वारा प्रस्तुत किया गया। इस व्यावहारिक सत्र में पुलिस अधिकारियों ने यंत्रों को उपयोग में लाकर वास्तविक परिस्थितियों से जूझने का अनुभव प्राप्त किया।

उद्घाटन से लेकर समापन तक नवाचार कार्यशाला के उद्घाटन सत्र में एडीजी ट्रेनिंग राजा बाबू सिंह ने अपने अनुभव साझा किए, जो उन्हें आईजी बीएसएफ कश्मीर रहते हुए मिले थे। उन्होंने बताया कि आपदा प्रबंधन में केवल साधनों से नहीं, बल्कि नेतृत्व क्षमता और मानवीय संवेदनाओं के साथ त्वरित निर्णय अहम होते हैं। कार्यशाला में शामिल पुलिस अधिकारियों ने इसे व्यावहारिक, ज्ञानवर्धक और अत्यंत उपयोगी बताया। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से उन्हें भविष्य में किसी भी आपदा के समय सजग और सक्रिय रहने की प्रेरणा और तकनीकी समझ मिली है।

समापन समारोह को आईजीपी अभय सिंह ने किया संबोधित समापन सत्र में आईजीपी अभय सिंह ने अधिकारियों को संबोधित करते हुए कहा कि हर आपदा में पुलिस की पहली जवाबदेही आमजन की सहायता करना होता है। उन्होंने अधिकारियों को हर प्रकार की चुनौती के लिए मानसिक, भौतिक और तकनीकी रूप से तैयार रहने की सीख दी।

प्रशिक्षण टीम की भूमिका कार्यशाला का समापन कोर्स डायरेक्टर सहायक निदेशक श्रद्धा जोशी और कोर्स कोऑर्डिनेटर उप पुलिस अधीक्षक राजीव त्रिपाठी की टीम द्वारा किया गया। समापन अवसर पर सहायक निदेशक नीरज पांडे, यास्मीन जेहरा, एसपी पीटीएस रश्मि पांडे सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस दो दिवसीय कार्यशाला ने न केवल पुलिस अधिकारियों को आपदा के प्रति सचेत किया, बल्कि आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में नवाचार की मिसाल पेश की, जिसे भविष्य में एक मॉडल के रूप में अपनाया जा सकता है।

भोपाल में गर्मी के कारण स्कूलों की टाइमिंग में शिक्षा विभाग ने किया बदलाव

भोपाल। मध्य प्रदेश में अप्रैल माह की शुरुआत होते ही गर्मी ने अपने तेवर दिखाना शुरू कर दिए है। प्रदेश के कई हिस्सों में पारा 44 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है और मौसम विभाग ने कई जिलों में लू का अलर्ट जारी किया है। भोपाल और इंदौर जैसे प्रमुख शहरों में हीट वेव का अनुमान है। इसके चलते राजधानी भोपाल में स्कूलों के समय में बदलाव किया गया है। विद्यार्थियों के स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए जिला शिक्षा अधिकारी ने इस संबंध में नए निर्देश जारी किए हैं। जारी निर्देशों के अनुसार, अब आठवीं तक के विद्यार्थियों की कक्षाएं 12 बजे के बाद नहीं होंगी।

शाहपुरा-कटारा में आज बिजली कटौती, 15 इलाकों में असर

भोपाल। राजधानी के करीब 15 इलाकों में गुरुवार को 30 मिनट से 7 घंटे तक बिजली कटौती होगी। यहां बिजली कंपनी मेंटेनेंस करेगी।जिन इला कों में बिजली गुल रहेगी, उनमें शाहपुरा, कटारा गांव, जहांगीराबाद, चिकलोद रोड, चर्च रोड जैसे कई बड़े रहवासी इलाके शामिल हैं। इन इलाकों में पड़ेगा असर- सुबह 9 से दोपहर 2 बजे तक शाहपुरा ए सेक्टर, ई-7, रेलवे कॉलोनी, विवेक अपॉर्टमेंट एवं आसपास के इलाके। सुबह 10 से 10.30 बजे तक एवं दोपहर 1.30 से 2 बजे तक शिव संगम गार्डन एवं आसपास। सुबह 10 से शाम 5 बजे तक सीआई कॉलोनी, बैंक कॉलोनी, जिंसी, नीम रोड, जहांगीराबाद, चर्च रोड, चिकलोद रोड एवं आसपास। सुबह 11 से दोपहर 2 बजे तक कटारा एवं आसपास।

जैव विविधता समिति की मीटिंग में अध्यक्ष ने उठाए गंभीर सवाल

भोपाल में पेड़ों की अवैध कटाई पर बवाल, डीएफओ ने मानी लापरवाही

भोपाल। राजधानी के डीएफओ (वन मंडलाधिकारी) ऑफिस में बुधवार को हुई जैव विविधता प्रबंधन समिति की बैठक में पेड़ों की कटाई का मुद्दा उठा। समिति अध्यक्ष और जिपं सदस्य विनय मेहर ने कहा- बैरसिया और नजीराबाद के जंगल उजाड़े जा रहे हैं, लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हो रही। इस पर डीएफओ लोकप्रिय भारती ने कहा कि ये सही है। विदिशा, गुना, राजगढ़ रूट से लकड़ी की गाड़ियां गुजर रही हैं। फॉरेस्ट की टीम नजर रखती है, लेकिन कम्युनिकेशन गेप है। अध्यक्ष मेहर ने कहा कि भोपाल में पेड़ों की कटाई हो रही है। हर रात पेड़ काटे जा रहे हैं। नीचे तक सब मिले हुए हैं। ट्रकों को कोई नहीं रोकता। इस पर लगाम लगाई जाए। नजीराबाद और बैरसिया में यह बड़े पैमाने पर चल रहा है। अध्यक्ष के सवाल पर डीएफओ भारती ने जवाब दिया कि यदि स्टाफ इसमें शामिल है, तो निलंबन की कार्रवाई की जाएगी। इस पर नजर रखी जा रही है।

अध्यक्ष बोले- जंगल पठारों में तब्दील हो गए समिति अध्यक्ष मेहर ने कहा कि कुछ अधिकारी एवं बाहरी लोगों की मिलीभगत से पेड़ों की अंधाधुंध कटाई हो रही है। जंगल पठारों में तब्दील हो रहे हैं। मेरे पास प्रमाण है। जिले के अधिकारियों और क्षेत्रीय जनप्रतिनिधियों के साथ समिति गठित कर वनों का निरीक्षण करें। जिन पेड़-पौधों के लिए कहां कितना बजट आवंटित हुआ है? कितना खर्च किया है? कितने पेड़ पौधे खरीदे हैं? कितनी जमीन पर लगे और कितने पेड़ जिंदा है? इनकी पूरी जानकारी मुझे उपलब्ध कराए।

फड़ में दलाली पर कार्रवाई क्यों नहीं? जिपं उपाध्यक्ष मोहन सिंह जाट, सदस्य प्रतिनिधि सुरेश राजपूत, अनिल हाड़ा ने कहा कि सभी ग्राम पंचायतों में जैव विविधता समिति का गठन हो। इस बारे में जिला पंचायत सीईओ इला तिवारी को लेटर लिखा जाए। तेंदुपत्ता की फड़ में दलाली हो रही है। तेंदुपत्ता संग्रहण करने वालों से फड़ पर दलाली ली जा रही है। ऐसा कोई नियम नहीं है। डीएफओ आदेश निकाले और कार्रवाई करें। इस पर भारती ने कहा कि ऐसा होने पर तुरंत कार्रवाई करेंगे।

किस काम की समिति, जब बजट ही नहीं है करीब तीन साल में पहली बार जैव विविधता प्रबंधन समिति की बैठक हुई थी। इसमें अध्यक्ष मेहर ने समिति के काम और बजट के बारे में पूछा। जब बताया गया कि कोई फंड नहीं है तो अध्यक्ष मेहर ने कहा कि जब कोई बजट ही नहीं है तो समिति किस काम की है? जैव विविधता पर कोई तालाब गहरीकरण का काम भी होता है क्या? डीएफओ भारती और एसडीओ धीरज सिंह चौहान ने इस पर गहरीकरण का काम नहीं होने की बात बताई। जिस पर मेहर ने कहा, फिर मीटिंग क्यों बुलाई, जब जनता से जुड़े काम ही नहीं है। बैठक में सदस्य विक्रम भालेश्वर, रश्मि भार्गव, अश्विन भार्गव, मिश्रीलाल मालवीय भी मौजूद रहे।

भोपाल में सही रेट पर नहीं बिकता तेंदुपत्ता बैठक में बताया गया कि जिले में समिति नुकसान में जा रही है। यहां के तेंदुपत्ता की क्वालिटी ठीक नहीं है। इस कारण यह सही रेट पर नहीं बिकता। इस पर सदस्य प्रतिनिधि हाड़ा और विनोद राजोरिया ने कहा कि क्या यहां का पत्ता कुपोषित है? संग्राहकों को सही रेट मिलना चाहिए, यह समिति तय करें।

लहारपुर इकोलॉजिकल पार्क में आग का मुद्दा भी उठा अध्यक्ष मेहर, जिपं उपाध्यक्ष जाट समेत सदस्यों ने भोपाल के लहारपुर इकोलॉजिकल पार्क में 20 दिन के अंदर 2 बार भीषण आग लगने का मुद्दा भी उठाया। कहा कि आगजनी की घटनाओं को रोकने के लिए वन विभाग पहल करें। ताकि, आगे से ऐसा नहीं हो।

संपादकीय

तेल की मार और महंगाई–सरकार की नीति पर उठे सवाल

ऐसे वक्त में जब अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप के तुगलकी फैसलों से दुनिया की अर्थव्यवस्था हिचकौले खा रही है, देश में बढ़ी महंगाई के बीच रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि कोढ़ में खाज जैसी ही है। निस्संदेह, सरकार का कोई भी फैसला देश के व्यापक व दूरगामी लक्ष्यों को लेकर होता है। वैसे भी पेट्रोलियम पदार्थों पर लगने वाले विभिन्न कर केंद्र व राज्य सरकारों की आर्थिकी के लिये प्राणवायु जैसे होते हैं। लेकिन सरकारों को राजस्व जुटाने के लिये वैकल्पिक रास्ते तलाशने चाहिए। उन मदों में समय–समय पर वृद्धि करना, जो पहले से ही लोगों पर भार डाल रहे हों, सुशासन की दृष्टि से तर्कसंगत नजर नहीं आता। निस्संदेह, बढ़ती महंगाई के बीच पेट्रोल–डीजल व रसोई गैस की कीमतें लोगों का बजट बिगाड़ रही हैं। सरकार के तमाम मौद्रिक उपाय महंगाई पर काबू पाने में सफल नहीं हो सके हैं। कोरोना संकट के बाद आम आदमी की आय में अपेक्षित वृद्धि भी नहीं हो पायी है। इससे जीवन–यापन कठिन होता जा रहा है। ये तथ्य किसी से छिपा नहीं है कि लोकसभा व विधानसभा चुनावों के दौरान तेल का खेल होता रहा है। पिछले लोकसभा चुनाव व उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव के दौरान केंद्र सरकार ने पेट्रोलियम पदार्थों पर उत्पाद शुल्क में कमी की थी। हाल में फिर उसमें वृद्धि कर दी गई है। वैसे तो सरकार को भी पता है कि पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि से महंगाई की एक श्रृंखला पैदा होती है। लेकिन लगता है कि टैरिफ युद्ध से भारतीय अर्थव्यवस्था पर पड़ने वाले नुकसान की भरपाई सरकार पेट्रोलियम पदार्थों की कीमत बढ़ाकर करना चाहती है। यूं तो हम अपने प्रत्यक्ष लाभ–हानि को दृष्टिगत रखते हैं, जबकि सरकार को व्यापक दृष्टिकोण के साथ दूरगामी फैसले लेने होते हैं। वैसे नागरिकों के हित राष्ट्रहित से अलग नहीं हो सकते। लेकिन फिर भी ऐसे फैसले लेते वक्त संवेदनशील दृष्टि अपनाना जरूरी है।

वहीं दूसरी ओर विपक्ष केंद्र सरकार के फैसले को एक अवसर के रूप में देखकर हमलावर हुआ है। उसकी दलील है कि केंद्र का पेट्रोलियम पदार्थों में मूल्यवृद्धि का फैसला तार्किक नहीं है। ऐसे वक्त में जब अंतर्राष्ट्रीय तेल बाजार में कच्चे तेल की कीमतें गिरी हैं, तो इस मूल्य वृद्धि का क्या औचित्य है। यह भी कि सरकार जब अंतर्राष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि का बोझ जनता के कंधे पर डाल देती है, तो कीमतें घटने का लाभ भी तो उसे मिले। सरकार की दलील है कि पेट्रोल व डीजल पर उत्पाद शुल्क बढ़ाया तो है लेकिन बोझ जनता पर नहीं पड़ेगा। सरकार के अनुसार पेट्रोल–डीजल की कीमतें नहीं बढ़ेंगी। मगर लोगों की चिंता है कि देर–सवेर सरकार पेट्रोल–डीजल के दामों में पिछले दरवाजे से वृद्धि कर सकती है। तेल कंपनियां भी कब तक बढ़े उत्पाद शुल्क वहन करेंगी। वैसे भी सरकारें अपने बजट को संतुलित करने के लिये गाहे–बगाहे पेट्रोलियम पदार्थों की कीमतों में बदलाव करती रही हैं। हालांकि, सरकार को पता है कि तेल की कीमतें बढ़ने से महंगाई की नई श्रृंखला पैदा हो जाती है। माल–भाड़े में वृद्धि से दैनिक उपभोग की वस्तुओं की कीमतों में वृद्धि हो जाती है। डीजल के दामों से वृद्धि से खेती की लागत बढ़ती है, जिससे अनाज की महंगाई बढ़ती है। साथ ही विनिर्माण क्षेत्र भी इस वृद्धि से प्रभावित होता है। लेकिन लगता है कि महंगाई की तुलना में टैरिफ प्रभावों को संतुलित करना सरकार की पहली प्राथमिकता है। लेकिन एक बात तो तय है कि सरकार को पेट्रोलियम पदार्थों व रसोई गैस की कीमतों में वृद्धि को लेकर कोई कारगर रणनीति बनानी ही होगी। देश का विपक्ष भी बार–बार पेट्रोलियम पदार्थों की मूल्य वृद्धि की तार्किकता को लेकर सवाल उठाता रहा है। कुछ लोग इन पदार्थों को जीएसटी के अधीन लाकर मूल्यों को तार्किक बनाने की बात करते हैं। लेकिन विपक्ष शासित राज्य इसे राज्यों के वित्तीय संसाधनों पर केंद्र की दखल के रूप में देखते हैं। लेकिन लगता है कि जब तक दुनिया में आर्थिक अनिश्चितता का वातावरण बना हुआ है केंद्र सरकार पेट्रोलियम पदार्थों को राजस्व जुटाने का जरिया बनाना जारी रखेगी।

ट्रंप के टैरिफ बम से भारत को झटका भी, मौका भी

मान लो, चीन से कोई सामान 100 रुपए का आता था, अब वह 154 रुपए का होगा। अगर भारत वही सामान 130–135 रुपए में बेचे, तो अमेरिका भारत से सामान खरीदेगा, क्योंकि यह सस्ता होगा जिससे भारतीय कंपनियों को ज्यादा ऑर्डर मिलेंगे, नए रोजगार पैदा होंगे। भारत का निर्यात बढ़ेगा, जिससे अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। आसान भाषा में अगर कहें तो अमेरिका ने चीन का सामान महंगा कर दिया है, इसलिए भारत अब उसकी जगह ले सकता है और अपना व्यापार बढ़ा सकता है। तुलनात्मक तरीके से देखें तो भारत का कपड़ा उद्योग अब बढ़त में है, क्योंकि अमेरिका ने चीन और बांग्लादेश से आने वाले कपड़ों पर ज्यादा टैरिफ लगा दिए हैं। इससे भारतीय कपड़े सस्ते हो जाएंगेज

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अनेक देशों पर टैरिफ का ऐलान किया है। डोनाल्ड ट्रंप ने जब से अमेरिका के राष्ट्रपति पद का जिम्मा संभाला है, जनाब एक के बाद एक, बम बम फैसलों से खबरों में हैं। उन्होंने दुनिया के आर्थिक जगत को उलझा कर रखा हुआ है। ट्रंप ने तमाम देशों पर 10 प्रतिशत से लेकर 49 प्रतिशत तक का टैरिफ लगा दिया। भारत पर भी ट्रंप ने 26 प्रतिशत का रेसिप्रोकल टैरिफ लगाया है। सबसे पहले तो आसान तरीके से यह समझें कि टैरिफ होता क्या है। मान लीजिए दक्षिण कोरिया से भारत में मोबाइल का आयात होता है, अब अगर सरकार को दिखता है कि वहां से आने वाले सस्ते मोबाइल से भारत की कंपनियों को घाटा हो रहा है, वो उनका मुकाबला नहीं कर पा रही हैं, तो सरकार टैरिफ का उपयोग करती है। टैरिफ एक प्रकार का टैक्स है जो वह किसी देश से आ रहे सामानों पर लगाती है। सरकार उन वस्तुओं और सेवाओं पर टैरिफ लगाकर उनको महंगा कर देती है ताकि देश के लोग उनको न खरीदकर देश की कंपनियों के प्रोडक्ट को ही खरीदें। अब ट्रंप अमेरिका में यही कर रहे हैं। उन्होंने तमाम देशों पर कम से कम 10 प्रतिशत और अधिक से अधिक 49 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है। अब ट्रंप का टैरिफ कैसे काम करेगा? इसको भारत के उदाहरण से ही समझिए। ट्रंप ने 2 अप्रैल को भारत पर जो 26 प्रतिशत का टैरिफ लगाया है, वो अतिरिक्त टैक्स होगा। यानी अगर किसी सेक्टर पर अमेरिका ने पहले 14 प्रतिशत का टैरिफ लगा रखा था तो अब उस पर 14 प्लस 26 यानी कुल 40 प्रतिशत का टैरिफ देना होगा।

ट्रंप ने जो टैरिफ लगाया है उसमें 10 प्रतिशत का टैरिफ 'बेसलाइन टैरिफ' है, यानी कम से कम इतना टैरिफ तो सब पर लगाया गया है। इसके बाद जो टैरिफ है, वह उन देशों की तरफ से अमेरिका पर लगाए जा रहे टैरिफ के अनुपात में लगाया गया है। फिर से भारत के उदाहरण से इसे समझते हैं। भारत पर जो 26 प्रतिशत का अतिरिक्त टैरिफ लगाया गया है, उसमें से 10 प्रतिशत बेसलाइन टैरिफ है और बाकी का 16 प्रतिशत भारत के टैरिफ के जवाब में लगाया गया है। ट्रंप ने ऐलान किया है कि 10 प्रतिशत का बेसलाइन टैरिफ

5 अप्रैल से लागू होगा जबकि 9 अप्रैल से पूरा टैरिफ (भारत के लिए 26 प्रतिशत अतिरिक्त या नया टैरिफ) वसूला जाएगा। ट्रंप के टैरिफ से भारत का कौनसा सेक्टर सबसे अधिक प्रभावित होगा, यह जानना जरूरी है। कृषि के इससे सबसे अधिक प्रभावित होने की संभावना है। इसके अंदर अगर डेयरी प्रोडक्ट की बात करें तो अभी इस पर 16.8 प्रतिशत का टैरिफ लगता है। 9 अप्रैल से इसमें 26 प्रतिशत और जुड़ जाएगा और कुल टैरिफ बढक़र 42.8 प्रतिशत हो जाएगा। इसी तरह फल और सब्जी पर अभी 5.3 प्रतिशत का टैरिफ लगता है जो बढक़र 31.3 प्रतिशत हो जाएगा। इलेक्ट्रॉनिक्स पर भारत में 1.2 प्रतिशत का काफी कम टैरिफ लगता है, लेकिन 9 अप्रैल से बढक़र यह 27.2 प्रतिशत हो जाएगा। यानी टैरिफ से भारतीय इलेक्ट्रॉनिक्स निर्यात में कुछ वक्त के लिए कमी आ सकती है। हमें स्मार्ट सप्लाई चेन पर ध्यान देना होगा। देश के फार्मा सेक्टर को बड़ी राहत मिली है। इसे ट्रंप ने टैरिफ के मार से दूर रखा है। भारत की कई बड़ी दवा कंपनियों की आधी कमाई अमेरिकी बाजार से होती है। रत्न और आभूषण सेक्टर को बड़ा झटका लगेगा। अभी इस पर अमेरिका में 5.5 से 13.5 प्रतिशत तक का टैरिफ लगता है। 9 अप्रैल से यह बढक़र 31.5 से 39.5 प्रतिशत तक हो जाएगा। इसकी वजह से अमेरिका से मिलने वाले ऑर्डर पर बड़ा असर दिख सकता है। अमेरिका भारत का सबसे बड़ा व्यापारिक सांझेदार रहा है। अमेरिका भारत के कुल वस्त्र निर्यात का लगभग 18 फीसदी, आयात का 6.22 फीसदी और द्विपक्षीय व्यापार का 10.73 फीसदी हिस्सा रखता है। अमेरिका के साथ, भारत का 2023–24 में वस्त्रों में व्यापार अधिशेष (आयात और निर्यात के बीच का अंतर) 35.32 अरब डॉलर था। यह 2022–23 में 27.7 अरब डॉलर, 2021–22 में 32.85 अब डॉलर, 2020–21 में 22.73 अरब डॉलर और 2019–20 में 17.26 अरब डॉलर था। साल 2024 में अमेरिका को भारत के मुख्य निर्यात में दवा निर्माण और जैविक उत्पाद (8.1 अरब डॉलर), दूरसंचार उपकरण (6.5 अरब डॉलर), कीमती और अर्ध–कीमती पत्थर (5.3 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (4.1 अरब डॉलर), सोना और अन्य कीमती धातु आभूषण (3.2 अरब डॉलर), कपास के रेडीमेड वस्त्र, जिसमें सहायक उपकरण शामिल हैं (2.8 अरब डॉलर) और लोहे और स्टील के उत्पाद (2.7 अरब डॉलर) शामिल थे। इसी तरह, आयात में कच्चा तेल (4.5 अरब डॉलर), पेट्रोलियम उत्पाद (3.6 अरब डॉलर), कोयला, कोक (3.4 अरब डॉलर), कटे और पॉलिश किए गए हीरे (2.6 अरब डॉलर), विद्युत मशीनरी (1.4 अरब डॉलर), विमान, अंतरिक्ष यान और उनके हिस्से (1.3 अरब डॉलर) और सोना (1.3 अरब डॉलर) शामिल थे। ट्रंप के टैरिफ बम से भारत को कुछ नुकसान हो सकते हैं। लेकिन एक मीडिया रिपोर्ट के अनुसार भारत 4 सेक्टरों में चीन को पीछे छोडक़र नंबर एक बन सकता है। यानी अमेरिका के इस कदम से भारतीय उद्योगों को फायदा भी मिल सकता है।

ट्रंप के टैरिफ से चीन पर 54 फीसदी टैक्स लगेगा, जबकि भारत पर सिर्फ 27 फीसदी। मान लो, चीन से कोई सामान 100 रुपए का आता था, अब वह 154 रुपए का होगा। अगर भारत वही सामान 130–135 रुपए में बेचे, तो अमेरिका भारत से सामान खरीदेगा, क्योंकि यह सस्ता होगा जिससे भारतीय कंपनियों को ज्यादा ऑर्डर मिलेंगे, नए रोजगार पैदा होंगे। भारत का निर्यात बढ़ेगा, जिससे अर्थव्यवस्था को फायदा होगा। आसान भाषा में अगर कहें तो अमेरिका ने चीन का सामान महंगा कर दिया है, इसलिए भारत अब उसकी जगह ले सकता है और अपना व्यापार बढ़ा सकता है। तुलनात्मक तरीके से देखें तो भारत का कपड़ा उद्योग अब बढ़त में है, क्योंकि अमेरिका ने चीन और बांग्लादेश से आने वाले कपड़ों पर ज्यादा टैरिफ लगा दिए हैं। इससे भारतीय कपड़े सस्ते हो जाएंगे और अमेरिकी रिटेलर्स भारत से सामान खरीदने को मंजूरी देंगे। इसके अलावा कई बड़े अंतरराष्ट्रीय ब्रांड्स भी बांग्लादेश और चीन से अपना उत्पाद भारत में लाने की सोच रहे हैं, ताकि वे बढ़े हुए टैरिफ से बच सकें। इसी तरह, इलेक्ट्रॉनिक्स के क्षेत्र में भी भारत को फायदा हो सकता है। अमेरिका ने वियतनाम और थाईलैंड से आने वाले इलेक्ट्रॉनिक्स और टेलीकॉम सामानों पर ज्यादा टैरिफ लगा दिए हैं, जिससे भारत एक बेहतर विकल्प बन सकता है। इस तरह, भारत को अमेरिका के टैरिफों के कारण लाभ मिलने की उम्मीद है। हालांकि ट्रंप के कड़े रुख के कारण भारतीय निवेशकों में आक्रोश है।

राहुल गांधी की नई रणनीतिः गुजरात से सत्ता की ओर वापसी की तैयारी

पिछले महीने राहुल गांधी गुजरात की राजधानी अहमदाबाद में थे, तब उन्होंने कांग्रेस पार्टी के कुछ नेताओं पर भाजपा के लिए काम करने का आरोप लगाया था। यह और बात है कि अहमदाबाद में ही कांग्रेस पार्टी ने अपना अधिवेशन कर लिया। गुजरात कांग्रेस के सभी नेता अपने केंद्रीय दल के वरिष्ठों की सेवा करते नजर आए।

कांग्रेस की कोशिश गुजरात की धरती से भारतीय जनता पार्टी, विशेषकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देने की है। वो इसमें कितना सफल हो पाएंगे, यह तो आगामी चुनावों के नतीजों में पता चलेगा। हालांकि, किसी नई रणनीति के बजाय कांग्रेस का पहिया एकबार फिर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ और जातीय राजनीति के इर्द–गिर्द ही घूमता नजर आ रहा है। पार्टी की निर्भरता पहले की भांति गांधी परिवार पर ही बनी हुई है। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में जब कांग्रेस पार्टी को देश में 99 सीटें मिली थीं, तब पार्टी नेताओं ने जमकर जश्न मनाया था। 99 सीटों पर जीत का सेहरा राहुल गांधी के सिर पर बांधा गया था। हालांकि, लोकसभा चुनाव के बाद हुए विधानसभा चुनावों में कांग्रेस को सफलता नहीं मिली। इसके बावजूद 99 सीटें जीतने का जोश कांग्रेस पार्टी में अब तक बना हुआ है।

लोकसभा चुनाव के बाद राहुल गांधी एंग्री यंग नेता की भूमिका में बने हुए हैं। पार्टी भी उन्हें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मुकाबले में खड़ा करने का कोई अवसर नहीं छोड़ पा रही है। सड़क से लेकर संसद तक राहुल गांधी की एक अलग छवि गढ़ी जा रही है। वैसे, अहमदाबाद में कांग्रेस के अधिवेशन में राहुल गांधी के दिए भाषण से एक बात तो स्पष्ट हो गई है कि वो जातीय राजनीति के मैदान में पार्टी को पूरी तरह उतारने के लिए आतुर हैं।

राहुल गांधी ने अधिवेशन में दिए अपने भाषण में कहा कि कांग्रेस दलित, मुस्लिम व ब्राह्मण को साधती रही और अति पिछड़ा जातियां (ओबीसी) हमसे दूर चली गईं। यह और बात है कि एक समय कांग्रेस का नारा था कि न जात पर–न पात पर, इंदिरा जी की बात पर, मुहर लगेगी हाथ पर। ओबीसी को आरक्षण की सिफारिश करने वाले मंडल कमीशन के विरोध में सबसे बड़ा भाषण राहुल गांधी के पिता स्वर्गीय राजीव गांधी ने संसद में दिया था। शायद ओबीसी तभी से कांग्रेस से नाखुश है। ब्राह्मण भी राम मंदिर आंदोलन के बाद भाजपा के साथ जुड़ते चले गए।

दलितों का बड़ा वर्ग अब भी कांग्रेस के साथ है। हालांकि, उत्तर प्रदेश जैसे बड़े राज्य में बहुजन समाज पार्टी के उदय के साथ दलित शिफ्ट हुए हैं। जहां–जहां क्षेत्रीय दल जैसे समाजवादी पार्टी, राष्ट्रीय जनता दल, द्रमुक, तृणमूल कांग्रेस, आम आदमी पार्टी सत्ता में आए, वहां मुस्लिम कांग्रेस से छिंटक गया। हालांकि, मुस्लिमों को दोबारा अपने फोल्ड में लाने की कांग्रेस की कोशिशें तेज हो चली हैं। राहुल गांधी कह रहे हैं कि मुस्लिम हितों को लेकर वो पीछे नहीं हटेंगे। यह और बात है कि यह कोशिशें उसके सहयोगी दलों को रास नहीं आ रही हैं।

राहुल गांधी का जोर भले मुस्लिम हितों पर अडिग रहने का है, लेकिन इसे लेकर कई बार उनकी पार्टी के नेता भी असहज नजर आते हैं। पार्टी के मुस्लिम हित ने हिंदुओं के बड़े वर्ग को भाजपा की ओर शिफ्ट किया है। अनुच्छेद 370, नागरिकता संशोधन कानून और अब वक्फ संशोधन कानून पर कांग्रेस का रुख देश के बहुसंख्यकों को रास नहीं आया है। पिछले दिनों संपन्न प्रयागराज महाकुंभ और सद्गुरु के कार्यक्रम में शामिल होने पर जिस तरह से कर्नाटक के उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार की पार्टी के अंदर से आलोचना हुई, उसने भी कांग्रेस को लेकर बहुसंख्यकों को निराश किया।

अहमदाबाद अधिवेशन में कांग्रेस ने एक बार फिर सरदार वल्लभभाई पटेल के बहाने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर हमला बोला है। पार्टी ने अपने अधिवेशन को सरदार वल्लभभाई पटेल के नाम पर बने मेमोरियल में रखा। पार्टी ने यह भी याद दिलाया कि कैसे सरदार वल्लभभाई पटेल ने संघ पर प्रतिबंध लगाया था? पार्टी ने इस मेमोरियल में अपने अधिवेशन को विशेष भी बताया। यह और बात है कि गुजरात में ही बने स्टैचू ऑफ यूनिटी को देखने आज तक राहुल गांधी नहीं गए हैं।

कांग्रेस के नेता स्टैचू ऑफ यूनिटी पर जाने से परहेज करते हैं, क्योंकि इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बनवाया है। सरदार पटेल की विरासत को अपने हाथों से जाता देख कांग्रेस परेशान भी है। पार्टी को अब सरदार पटेल और पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के बीच संबंधों को बताना पड़ रहा है। कहीं न कहीं पार्टी भाजपा के ट्रैप में फंसती नजर आती है।

गुजरात में पिछले तीन दशक से कांग्रेस पार्टी सत्ता से बाहर है। विगत् विधानसभा चुनाव में तो उसका अब तक का सबसे निराशाजनक प्रदर्शन रहा था। लोकसभा चुनाव में भी पार्टी को बहुत अधिक सफलता गुजरात में नहीं मिली, लेकिन राहुल गांधी को शायद लग रहा है कि गुजरात के रास्ते वह देश की सत्ता को पुनः हासिल कर सकते हैं।

गुजरात संघ परिवार की प्रयोगशाला माना जाता है। जहां नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने पिछले कुछ सालों में लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है। शायद राहुल गांधी गुजरात में आकर नरेंद्र मोदी को सीधी चुनौती देकर अपने इंडी गठबंधन के सहयोगियों को बताना चाहते हैं कि वो गठबंधन में बड़े भाई की भूमिका में हैं।

वर्ष 2029 के चुनाव में अभी चार साल से अधिक का समय है। वर्ष 2024 के नतीजों को लेकर कांग्रेस का उत्साह अभी भी कायम है। पार्टी को लग रहा है कि 2029 उनके लिए बेहतर अवसर हो सकता है और इसी की तैयारी गुजरात से राहुल गांधी ने शुरू की है। अब देखना यह होगा कि राहुल गांधी के यह प्रयास कितने सफल होते हैं। संघ विरोध और जातीय राजनीति कांग्रेस को कितनी चुनावी सफलता दिला पाती है।

कटनी के पुरैनी में स्कूल के पास मिला खून से लथपथ शव

42 वर्षीय व्यक्ति की पत्थर पटककर हत्या की आशंका

सुनील यादव । सिटी चीफ कटनी, कटनी के कुठला थाना क्षेत्र के अंतर्गत पुरैनी बेलवेदर स्कूल के पास एक 42 वर्षीय प्रौढ़ की खून से सनी लाश पाए जाने के बाद हड़कंप की स्थिति निर्मित हो गई। कृषि उपज मंडी में पल्लेदारी करने वाले प्रौढ़ की पत्थर पटक कर अज्ञात लोगों ने हत्या कर देने के बाद लाश को सड़क किनारे फेंक दिया। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के परिजन एवं कुठला पुलिस के साथ फॉरेंसिक की टीम घटनास्थल पर पहुंची। प्रारंभिक जांच में आपसी विवाद के कारण प्रौढ़ की हत्या किया जाना प्रतीत हो रहा है। जांच में पुलिस के हाथ कुछ ऐसे तथ्य लगे हैं जिसके आधार पर जल्द ही आरोपी गिरफ्तार हो सकते हैं।

कुठला थाना प्रभारी राजेंद्र मिश्रा ने बताया कि कुठला थाना क्षेत्र के पुरैनी भाटिया मोहल्ला निवासी 42 वर्षीय सिनोद कोल पिता नर्मद कोल मंगलवार की रात पुरानी में जवारा विसर्जन जुलूस देखने के लिए घर से निकला था, इसके बाद वह फिर लौटकर घर नहीं पहुंचा। और आज सुबह स्थानीय लोगों ने सिनोद का शव वेलवेदार स्कूल के समीप सड़क किनारे खून से लथपथ पड़ा हुआ देखा। घटनास्थल की जांच एवं शव को देखकर यह अंदाजा लगाया जा रहा है कि सिनोद की हत्या पत्थर पटक कर की गई है। प्राथमिक तौर पर यह बात सामने आ रही है कि आपसी कहा सुनी एवं पुराने विवाद के कारण सुनोद की हत्या की गई है। हालांकि हत्यारे एवं हत्या के कारणों के संबंध में फिलहाल पुलिस ने खुलासा नहीं किया है, वही पुलिस के हाथ कुछ अहम सुराग लगे हैं जिसके आधार पर जल्द ही हत्यारे के पकड़े जाने की आशंका जताई जा रही है।

गुरुवार 10 अप्रैल को होगा श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी मेले का भव्य शुभारंभ

चतुर्दशी पर देवी की मुख्य पूजा के दिन देवबंद के मां श्री त्रिपुर बाला सुंदरी शक्तिपीठ पर उमड़ेंगी श्रद्धालुओं की भारी भीड

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, देवबंद में देवीकुंड के विशाल मैदान में एक बड़े जल सरोवर के किनारे पर माँ श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी का ऐतिहासिक एवं भव्य शक्तिपीठ स्थित है, जहां पर हर वर्ष चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की चतुर्दशी को करीब 20 दिन का मेला भरता है। अबकी बार 10 अप्रैल की शाम को लोक निर्माण राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह और जिलाधिकारी मनीष बंसल मंदिर में मां बाला सुंदरी देवी की पूजा-अर्चना कर मेले का उद्घाटन करेंगे। इस मेले का प्रबंध नगरपालिका परिषद देवबंद करती है। देवबंद नगर पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग ने बताया कि मेले की सभी व्यवस्थाएं पूरी कर ली गई है। 11 अप्रैल को चौदस है, जो की देवी मां की मुख्य पूजा का दिन है। चौदस पर अबकी बार करीब तीन लाख श्रद्धालुओं के देवी दर्शन करने और प्रसाद चढ़ाने आने की उम्मीद है। मेला चेयरमैन महिला सभासद महक चौहान और मेला प्रभारी विकास चौधरी बनाए गए हैं। 20 दिन की मेला अवधि में मेला पंडाल में मां भगवती जागरण, कवि सम्मेलन, कव्वाली, मुशायरा एवं अनेक मनोरम सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।देवबंद स्थित उत्तरी भारत का ऐतिहासिक, पौराणिक एवं विख्यात लाखों लोगों की आस्था एवं श्रद्धा का प्रतीक श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी का यह शक्तिपीठ आदि-अनादिकाल से मौजूद है। देवबंद शक्तिपीठ पर विराजमान देवी मां के दर्शन को लेकर श्रद्धालुओं में ऐसा अटूट विश्वास है कि मां बाला सुंदरी की सच्चे मन से पूजा-अर्चना और आराधना करने वाले सभी भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती है। देवबंद शक्तिपीठ की एक खासियत यह भी हैं कि देश में प्राचीन समय में छूआ-छूत के चलते समय भी इस शक्तिपीठ के द्वार कभी दलितों के लिए बंद नहीं हुए और मां का आंचल हमेशा सभी के लिए खुला रहा। जिसका उदाहरण यह हैं कि गर्भगृह के समक्ष स्थापित मां के वाहन (सिंह) की प्रतिमा की सेवा एक बाल्मीकि परिवार द्वारा की जाती हैं। मां भवानी राज राजेश्वरी श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी महाशक्ति जगदंबा का रूप है। ब्रहा-विष्णु और महेश तीन पुर (शरीर) जिनमें है, वह त्रिपुर बाला है। तंत्रसार के मुताबिक मां राजेश्वरी त्रिपुर बाला सुंदरी प्रातः कालीन सूर्य मंडल की आभा वाली है। इनकी चार भुजा एवं तीन नेत्र है। वह अपने हाथ में पाश, धनुष-बाण और अंकुश लिए हुए है तथा उनके मस्तक पर बालचंद्र सुशोभित है। मां त्रिपुर बाला सुंदरी ने 105 ब्रहमांडो के अधिपति भंडासुर का वध किया जबकि चौदह भुवन का एक ब्रहमांड होता है और एक ब्रहमांड में चौदह लोक होते है। मां श्री त्रिपुर बाला सुंदरी देवी की उपासना करने वालो को भोग और मोक्ष दोनो प्राप्त होते है। मां त्रिपुर बाला सुंदरी ने भगवती लक्ष्मी की आराधना की थी। जिससे प्रसन्न

होकर भगवती लक्ष्मी ने अपना उपनाम 'श्री' मां त्रिपुर बाला सुंदरी को अपने नाम से पहले धारण करने को कहा। इसीलिए उन्हें श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी कहा जाता है। देवबंद की वर्तमान स्थिति से उसके गौरवशाली अतीत का अनुमान नहीं लगाया जा सकता है लेकिन देवबंद एक प्राचीन एवं महत्वपूर्ण नगर है इसका प्रमाण यहां के ऐतिहासिक एवं प्रसिद्ध श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी शक्तिपीठ से जरूर मिलता है। कहा जाता है कि सैकड़ों वर्ष पूर्व यहां के गहन वन में देवी दुर्गा के निवास के कारण यह नगर कभी 'देवीवन' के नाम से प्रसिद्ध था। कालांतर में जो 'देवी बंद' और फिर देवबंद कहा जाने लगा। एक अन्य मतानुसार 'दुर्ग' नाम के असुर का इसी स्थान पर संहार करने के कारण दुर्गा देवी की देवताओं द्वारा वंदना करने के कारण यहां का नाम 'देवी वन्दना' स्थल पड़ा जो बाद में 'देवीवन्दन' और फिर देवबंद हो गया। पौराणिक मत है कि देवताओं के बहुत अधिक संख्या में निवास करने के कारण इस स्थान को देववृन्द कहा जाता था, जो बाद में देवबंद हो गया। देवी का यह शक्तिपीठ वर्तमान में किसने बनवाया इसका कोई उल्लेख नहीं मिलता है लेकिन राजा रामचंद्र मराठा द्वारा मंदिर के अंतिम जीणोद्धार की बात कही जाती है। गर्भगृह के तीन चौथाई भित्ति चित्र नष्ट हो चुके है। नगर का यह शक्तिपीठ कितना प्राचीन है यह तो निश्चित रूप से नहीं बताया जा सकता किंतु यह कम से कम 200 वर्ष पुराना अवश्य बताया जाता है। महाभारत काल में पवित्र गंगा के यहां से होकर प्रवाहित होने का विवरण मिलता है। घने जंगलों के बीच प्रकृति की सुरम्य गोद में पतित पावनी गंगा के तट की इस मनोरम जगह पर पाण्डवों ने द्रौपदी के साथ अज्ञातवास के कुछ दिन यहां बिताए थे। उसी दौरान अर्जुन ने इस शक्तिपीठ की साधना भी की थी। समय के साथ अनेक साम्राज्य और धार्मिक संप्रदाय आये किंतु इस शक्तिपीठ की मान्यता लगातार बढ़ती ही चली गई। ऐसी मान्यता है कि यहां स्थापित प्रतिमा एकाएक प्रकट हुई थी। यह प्राकृतिक रूप में है और हमेशा चांदी के गिलासनुमा बर्तन से ढकी रहती है। पुजारी प्रतिदिन आंखे व कपाट बंद करके मां को स्नान आदि कराकर पुनः उसी बर्तन से ढक देते है और कहीं पर किसी भी शक्तिपीठ में देवी मां का ऐसा रूप देखने को नहीं मिलता है। कहा जाता है। एक पुरानी मान्यता के मुताबिक इस शक्तिपीठ का संबंध उस घटना से जुड़ा है जब भगवान शंकर सती को कंधे पर उठाए लिए जा रहे थे तब जिन स्थानों पर विभिन्न अंग गिरे वहीं विभिन्न पीठ स्थापित हुए जिनमें से देवबंद का श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी शक्तिपीठ भी एक है। मंदिर की स्थापना के विषय में मार्कण्डेय पुराण में लिखा है कि एक बार भंडासुर राक्षस से त्रस्त जनता के प्राणो की रक्षा के लिए इस स्थान पर देवताओं ने महामाया से अनुनय की थी। लोगों की प्रगाढ़ आस्था का केंद्र बना यह शक्तिपीठ अपने भक्तों और श्रद्धालुओं की संख्या को गंगा की अविरल धारा की भांति लगातार बढ़ाता ही जा रहा है। देवबंद शक्तिपीठ की हमेशा से ही यह एक रहस्यपूर्ण बात रही है कि शक्तिपीठ पर चैत्र सुदी (चौदस) जो की देवी की मुख्य पूजा का दिन है उससे एक दिन पूर्व एवं एक दिन बाद तेज हवाएं, आंधी-तूफान एवं तेज वर्षा होती है। क्षेत्र के बड़े-बूढ़ों का कहना है कि देवी मां के शक्तिपीठ में आने और जाने के समय ऐसा सदियों से होता चला आ रहा है। जबकि नगर के बुद्धिजीवी लोगों का कहना है कि हवा एवं वर्षा श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी के आगमन पर नहीं बल्कि इस दिन उनकी बहनों के यहां के शक्तिपीठ में मां बाला सुंदरी से मिलने आने और फिर वापस जाने के समय आती है। उनका कहना है कि देवी श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी तो हमेशा ही शक्तिपीठ में विराजमान रहती है। शक्तिपीठ में देवी का स्वरूप लगभग सात सेमी ऊंची प्रतिमा के प्राकृत रूप में विराजमान हैं। इन दिनों दस गुणा पंद्रहा सेमी की चांदी की शिवलिंगाकार आकृति (पिंडी) से आवृत है। मंदिर के सिंह द्वार के बाहर 18 बीघे भूमि में एक प्राचीन एवं मनोरम सरोवर है। जो 'देवीकुंड' के नाम से विख्यात है। श्री त्रिपुर मां बाला सुंदरी देवी शक्तिपीठ की पौराणिकता का एक प्रमाण मंदिर के निकासी द्वार पर लगे पत्थर के लेख से भी मिलता है। इस पत्थर पर अज्ञात भाषा में कुछ उत्कीर्ण है। पुरातत्व विभाग के बड़े से बड़े वैज्ञानिक यहां आए लेकिन आज तक भी इस पत्थर पर लिखा कोई नहीं पढ सका। अगर इस पत्थर पर लिखा कोई पढ पाता तो शायद इस शक्तिपीठ की पौराणिकता के बारे में और कुछ भी पता चल सकता।

देवबंद में श्रीबालाजी जन्मोत्सव पर आकर्षक बैंडबाजों और मनोरम झाकियों के साथ निकाली गई बाला जी महाराज की विशाल एवं भव्य शोभायात्रा

जय श्रीबाला जी के उद्घोष से गूंज उठा देवबंद

गौरव सिंघल। सिटी चीफ सहारनपुर । देवबंद, 21 वें श्रीबालाजी जन्मोत्सव के उपलक्ष में देवबंद नगर में आकर्षक बैंडबाजों, सुंदर व मनोरम झांकियों व कीर्तन मंडलियों के साथ विशाल एवं भव्य शोभायात्रा बडे हर्षोल्लास के साथ निकाली गई। शोभायात्रा का मुख्य आकर्षण श्री बालाजी महाराज का स्वर्णिम रथ रहा। जिसे श्रद्धालु व भक्तजन रस्सों की मदद से खींचकर चल रहे थे। स्वर्णिम रथ के आगे कीर्तन मंडलियां बाबा के भजनों का विशेष गुणगान करते हुए चल रही थी। श्री बालाजी धाम सेवा समिति ट्रस्ट देववृन्द के तत्वावधान में आयोजित शोभायात्रा के मुख्य अतिथि राज्यमंत्री कुंवर बृजेश सिंह रहे।

शोभायात्रा में भैरव बाबा, प्रेतराज सरकार, गणेश जी महाराज आदि की सुंदर व मनोरम झांकियां और श्रीबालाजी महाराज का स्वर्णिम रथ श्रद्धालुओं के आकर्षण का विशेष केंद्र रहे। स्वर्णिम रथ को श्रद्धालु रस्सों द्वारा हाथों से खींचकर चल रहे थे। शोभायात्रा रामलीला मैदान स्थित श्री बालाजी धाम मंदिर देवबंद से आरंभ होकर एमबीडी चौक, मोहल्ला नेचलगढ़, शास्त्री चौक, सुभाष चौक, रेलवे रोड और मेन बाजार से होते हुए श्रीराधा बल्लभ मंदिर पहुंची वहां पर पूजा-अर्चना के बाद वापस श्री बालाजी धाम मंदिर पर जाकर संपन्न हुई। शोभायात्रा में सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस तैनात रही।

इस अवसर पर गुरू जी राजीव कुमार गोयल, पालिकाध्यक्ष विपिन गर्ग, सभासद अर्जुन सिंघल, पूर्व सभासद विनय कुच्छल, भाजपा नगराध्यक्ष अरूण गुप्ता,श्री बालाजी धाम सेवा समिति ट्रस्ट देववृन्द के अध्यक्ष राजकिशोर गुप्ता (दूनवैली), महामंत्री विजय मंगल, कोषाध्यक्ष हरिकिशन सिंघल, उपाध्यक्ष रोहित अग्रवाल, मंत्री मनोज गर्ग, सह कोषाध्यक्ष प्रदीप वर्मा, नरेंद्र त्यागी, पंकज अग्रवाल, पंकजराज अग्रवाल, शिवकुमार वर्मा, दीपक गर्ग, रविंद्र चौधरी, अनुराग सिंघल, अनुज गर्ग, राजेश अजमानी, नरेश शर्मा योगेंद्र गोयल, आशुतोष गुप्ता, राधेश्याम गर्ग, प्रवीण गोयल, अशोक गुप्ता, अमित सिंघल एडवोकेट, विपिन गर्ग, अजय गर्ग, शिक्षक मोहित आनंद, विशाल गर्ग, निखिल अग्रवाल, गगन मित्तल, राजू सैनी, वैभव अग्रवाल आदि शामिल रहे।

विद्यारंभ संस्कार में बच्चों ने सीखे नए गुर

संस्कार ही हमें पशु से अलग पहचान देता है - जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कोमल

गौरव सिंघल । सिटी चीफ सहारनपुर, शिक्षा का पहला उद्देश्य ही बच्चों को सुसंस्कृत बनाना और उनके भीतर छिपी प्रतिभाओं का परिवार, समाज और देश के हित में विकास करना है, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी सुश्री कोमल ने बेरीबाग स्थित नेशन बिल्डर्स एकेडमी के विद्यारंभ संस्कार को अनूठा आयोजन बताया और कहा कि यज्ञ से स्वास्थ्य, स्वच्छता और सर्व कल्याण तथा मातृ-पितृ चरण वंदन के सही तरीके और इनकी वैज्ञानिक व्याख्या देखकर मन प्रसन्न हो गया। उन्होंने इस प्रकार से सत्रारंभ को अन्य विद्यालयों के लिए भी प्रेरक मिसाल बताया और कहा कि इससे बच्चों में आरंभ ही दायित्व संभालने का जज्बा पैदा होता है। उन्होंने गुरु भारत भूषण के प्रयासों को सराहा जिनके कारण स्वतंत्रता सेनानी और नगर के पहले राष्ट्रीय शिक्षक पुरस्कार पाने वाले प्राथमिक शिक्षक पंडित विश्वंभरसिंह के नाम पर बने द्वार का लोकार्पण करने के लिए देश के 14 वें राष्ट्रपति यहां पधारे और बेसिक शिक्षा का गौरव बढ़ाया।

नृत्यमयी सरस्वती वन्दना, वैदिक यज्ञ और पुस्तक व लेखनी पूजन से आरंभ हुए विद्यारंभ संस्कार में बच्चों के माता-पिता भी बड़ी संख्या में मौजूद रहे। जब बच्चों द्वारा इनका चरण वंदन किया गया तो दृश्य बड़ा भावात्मक हो गया। इससे पहले अपने आशीर्वचन में पद्मश्री योगगुरु स्वामी भारत भूषण ने जन्म से ही बच्चों के मां द्वारा आलिंगन और बड़े होते होते सिर पर आशीर्वाद के हाथ और बच्चों द्वारा चरण स्पर्श से विकास पर पड़ने वाले प्रभाव की जानकारी देते हुए कहा कि व्यक्तित्व के विकास में भोजन का प्रभाव तो बहुत कम होता हैं, वास्तविक विकास तो संसर्ग से होता है। उन्होंने चरणस्पर्श और आशीर्वाद के सही तरीके भी समझाए और जीवन के संतुलित विकास के लिए मोबाइल फोन और इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के प्रयोग पर लगाम लगाने की जरूरत समझाते हुए इस बात पर खुशी जताई कि नेशन बिल्डर्स एकेडमी के बच्चों के माता-पिता में इस तरफ जागृति देखने को मिली है। एकेडमी की ओर से प्राचार्या इष्ट कुमारी शर्मा ने अतिथियों को अंगवस्त्र व स्मृति चिन्ह से सम्मानित किया। कार्यक्रम का संचालन सुरभि सेठी, यशोदा और अजय सिंह यादव ने किया।

संविधान का अमृत महोत्सव पर हुआ एक दिवसीय सेमिनार

विद्यार्थियों और शिक्षकों ने सदन में किये अपने विचारों को साझा

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफ दमोह, संविधान के अम्रत महोत्सव पर मेरा संविधान मेरा स्वाभिमान विषय पर प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ़ एक्सीलेंस ज्ञानचंद श्रीवास्तव शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें राजनीति विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थियों ने भाग लिया।

प्राचार्य डॉ आलोक जैन ने मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। प्राचार्य डॉ आलोक जैन ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि वह नियमित रूप से महाविद्यालय में उपस्थित होकर न केवल अध्ययन करें बल्कि शासन के द्वारा उन्हें दी जा रही सुविधाओं का भी उपभोग करें।

कार्यक्रम की प्रमुख वक्ता और संयोजक डॉ इन्दिरा जैन ने संविधान की मूल आत्मा उसकी भावना, उद्देश्य, उसके लक्ष्य, और

उसमें किए गए नागरिक और व्यक्तियों के लिए प्रावधान पर विस्तृत चर्चा की उन्होंने कहा कि भारतीय संविधान की प्रस्तावना की सबसे बड़ी खूबसूरती यह है कि उसमें हर नागरिक और व्यक्ति को प्रतिष्ठा और गरिमा के साथ जीने का अधिकार दिया है। उन्होंने कहा कि संविधान की प्रस्तावना की अंतिम पंक्ति में उल्लेखित तीन शब्द अंगीकृत अधिनियमित और आत्मअर्पित में से अंतिम शब्द आत्माअर्पित होना अभी बाकी है। डॉ एन आर सुमन ने कहा कि संविधान अपरिपक्व नहीं परिपक्व सर्वोच्च विधान है। इसकी सफलता इसी बात में है कि आज तक हमारे देश में संविधान, विधि, विधान, शासन प्रशासन के खिलाफ कोई क्रांति नहीं हुई। संविधान के लचीलेपन ने सामाजिक परिवर्तन के अनुकूल हर चीज को समाहित किया है। शासकीय आदर्श महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डां कीर्ति काम दुबे ने कहा कि संविधान हमें अधिकार और कर्तव्य दोनों देता है पर हम जितने लालायित अधिकारों के लिए दिखाई देते हैं उतना ही कर्तव्यों के प्रति होना अनिवार्य है। संस्कृत के सहायक प्राध्यापक जितेन्द्र धाकड़ ने अपने उद्बोधन में कहा कि धर्मशास्त्र पहले आये संविधान बाद में पर संविधान में सभी धर्म ग्रन्थों, हमारी संस्कृति और सभ्यता को समाहित किया गया है। धीरज जांनसन ने चार आश्रमों की बात कही उन्होंने कहा कि हम तो वानप्रस्थ की ओर हूं पर आप विद्यार्थी ब्रह्मचर्य में है क्या आप अपने दायित्वों का निर्वाहन कर रहे हैं, यह चिंतन का विषय है। डॉ सिकंदर डुलगज ने कहा कि संविधान सिर्फ लोकतंत्र की ही नहीं हम सभी की आत्मा है। हमारी रक्त वाहिनी है संजीवनी है। संविधान सभा में अतिशय मंथन के बाद यह अम्रत देश को प्राप्त हुआ है। इस दौरान राजनीति विज्ञान विभाग के स्नातकोत्तर कक्षाओं के विद्यार्थी निधि मिश्रा,सारिका पाठक, मोहिनी पटेल,अनुप्रिया सिंह राजपूत,हीरा अहिरवाल,प्रशांत पटेल, श्रेया सोनी,अनुराग पटेरिया,श्री राम अहीरवाल,दीपक चौधरी, निशांत मेहरा,अनमोल जैन, और शिवा पाठक ने भी भारतीय संविधान पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम का संचालन डॉ अनिल जैन ने किया।

जिला प्रशासन एवं कृषि विभाग द्वारा प्री एग्रीकल्चर टेस्ट की निशुल्क कोचिंग से छात्र बेहद खुश

धीरज कुमार अहीरवाल । सिटी चीफदमोह, उपसंचालक कृषि जे.एल.प्रजापति में बताया की दमोह जिले में प्री एग्रीकल्चर टेस्ट की तैयारी हेतु नि:शुल्क कोचिंग का शुभारंभ कलेक्टर सुधीर कुमार कोचर के मार्गदर्शन में शासकीय उत्कृष्ट उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के कृषि संकाय के कक्ष में 7 अप्रैल 2025 से की गई है जिसमें प्रतिदिन सुबह 8:00 बजे से 11:00 बजे तक कृषि विभाग ,कृषि विज्ञान केंद्र एवं शिक्षा विभाग के अलग-अलग विषय विशेषज्ञों द्वारा कक्षाओं का आयोजन किया जा रहा है जिससे दमोह जिले के कृषि संकाय के छात्र जो इंदौर जैसे बड़े शहरों में जाने में असमर्थ थे उन्हें दमोह जिले में ही नि:शुल्क कोचिंग उपलब्ध होने पर उनमें बेहद खुशी देखने को मिल रही है जे एल प्रजापति द्वारा यह भी बताया गया कि यह कोचिंग जून माह में होने वाली प्री एग्रीकल्चर टेस्ट परीक्षा तक निरंतर संचालित रहेगी तथा उसके बाद जुलाई माह से एक रेगुलर बैच का शुभारंभ किया जाएगा जिसमें पूरे वर्ष भर नि:शुल्क फ्री एग्रीकल्चर टेस्ट की तैयारी कृषि विभाग, कृषि विज्ञान केंद्र एवं शिक्षा विभाग के विशेष विशेष सहयोग से आयोजित की जाएगी।

बुरहानपुर के 4 सरकारी स्कूलों के बनेंगे नए भवन, 1.80 करोड़ मंजूर-अर्चना चिटनिस

बुरहानपुर

बुरहानपुर। विधायक एवं पूर्व कैबिनेट मंत्री अर्चना चिटनिस के प्रयासों के परिणाम स्वरूप बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत 4 ग्रामों में शासकीय माध्यमिक ओर प्राथमिक विद्यालयों के निर्माण हेतु 1.80 करोड़ की स्वीकृति प्राप्त हुई है। अब शासकीय माध्यमिक और प्राथमिक विद्यालयों के लिए सर्वसुविधायुक्त नए भवन बनेंगे। श्रीमती चिटनिस ने स्वीकृति पर मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव एवं स्कूल शिक्षा मंत्री उदयप्रतापसिंह का आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापित किया।

लंबे समय से इन ग्रामों में स्कूल भवनों के निर्माण की मांग की जा रही थी। जीण-शीर्ण शाला भवनों के स्थान पर नए शाला भवन बनवाने का निर्णय लिया गया है, जिससे सरकारी स्कूलों में अध्ययनरत विद्यार्थी बेहतर वातावरण में बैठकर अपनी पढ़ाई कर सकें। उक्त स्वीकृति के साथ ही आगामी कार्यवाही प्रारंभ हो गई है, अतिशीघ्र निर्माण कार्य शुरू होगा।

अर्चना चिटनिस ने बताया कि बुरहानपुर विधानसभा क्षेत्रांतर्गत ग्राम अड़गांव में माध्यमिक स्कूल में स्कूल निर्माण के लिए 51 लाख रूपए की स्वीकृति प्रदान की है। इससे स्कूल में 4 कक्षों का निर्माण एवं शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। ग्राम वारोली मं प्राथमिक स्कूल में 43.26 लाख की लागत से 3 कक्षों, एक स्टॉफ कक्ष एवं शौचालयों का निर्माण किया जाएगा। इसी प्रकार ग्राम बोरगांवखुर्द में 43.26 लाख की लागत से प्राथमिक स्कूल के नवीन भवन अंतर्गत 3 कक्षों, एक स्टॉफ कक्ष, शौचालय का निर्माण किया जाएगा। ग्राम दापोरा में प्राथमिक शाला में 43.26 लाख की लागत से 3 कक्षों, एक स्टॉफ कक्ष एवं शौचालय निर्मित किया जाएगा।

जल गंगा संवर्धन के अंतर्गत श्रमदान कर लिया गया जल संरक्षण का संकल्प

झाबुआ - मुख्यमंत्री मोहन यादव की महत्वकांक्षी योजना जल गंगा संवर्धन अभियान इस समय झाबुआ जिले में पूरे जोरों से चलाया जा रहा है । जिसके अंतर्गत जल स्त्रोतों की साफ सफाई का कार्य हो रहा है। और ग्रामीणों में जल स्त्रोतों के संरक्षण के प्रति जागरूकता भी पैदा की जा रही है। ईस अभियान की अवधि 30 मार्च से 30 जून रखी गई है । इसी कड़ी में आज ग्राम भगोर में जिला कलेक्टर नेहा मीना के आदेश एवं मध्य प्रदेश जन अभियान परिषद जिला समन्वयक भीम सिंह डामोर एवं ब्लॉक समन्वयक तोलिया डामोर के निर्देशन में जल स्त्रोतों की साफ सफाई, श्रमदान एवं जल संरक्षण के संकल्प का कार्यक्रम आयोजित किया गया। ग्राम भगोर एवं केसरिया फलिया में हैंडपंप के।आसपास गंदगी दूर कर साफ सफाई की गई । इस दौरान मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद झाबुआ के ब्लॉक समन्वयक तोलिया डामोर ने बताया की वर्तमान में गर्मी का कहर बढ़ता ही जा रहा है। और ऐसे में हमारे जल स्त्रोतों की साफ सफाई करना बहुत ही जरूरी है । वरना हमें जल संकट झेलना पड़ सकता है। ओर हमारी आने वाली पीढ़ी भी सूखे को देखेगी। ओर हम सोखता गड्ढे , पाल के माध्यम से जल सहेंजेगे तो हमें यही जल जमीन में रिचार्ज होकर हमे पीने को वापस प्राप्त होगा । इसलिए सभी ग्रामीणों को मिलकर ग्राम के जल स्त्रोतों को साफ रखना चाहिए। नवांकुर सेक्टर प्रभारी मंशा बैरागी ने भी ग्राम वासियों को जल बचाने हेतु आगे आने का आव्हान किया। इसके पश्चात समीपस्थ हैंड पंप के आसपास के साफ-सफाई ग्रामीण, महिला ओर बच्चों के द्वारा की गई । और सोखता गड्ढे को गहरा किया गया।ओर नालियों के कीचड़ को भी साफ किया गया। आसपास उग रही खरपत वार को फावड़े की मदद से साफ किया गया। ओर कचरे को जलाया गया। इसके पश्चात सभी को जल संरक्षण की शपथ राजेश बैरागी द्वारा दिलाई गई। इस कार्यक्रम में शंकर जी नायक , ष्द्रुष्ध्यस्त्रश्च छात्र गौतम डोडिया, संदीप मालिवाड, मंशा बैरागी ग्रामवासी किशोर,गौरी ,गोपाल गोहरी, अर्जुन मालिवाड, ओर महिलाएं एवं बच्चों ने भी सहभागिता की।

बस और ऑटो की टक्कर से दुर्घटना में घायल मरीजो से जिला अस्पताल पहुंच कलेक्टर व एसपी ने जानी कुशलक्षेम

चिकित्सा अधिकारियों को घायल मरीजों को बेहतर उपचार मुहैया कराने के दिए निर्देश

सुशिल सोनी । सिटी चीफ अनूपपुर, अनूपपुर जिले के राजेंद्रग्राम- अमरकंटक मार्ग स्थित किरर घाट के पास बस एवं ऑटो के आपसी भिड़ंत में 5 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए, दुर्घटना में तीन लोगों की मृत्यु हुई है, प्रशासन की तत्परता से दुर्घटना में घायलों को उपचार हेतु जिला चिकित्सालय लाकर उपचार प्रारंभ किया गया। जहां कलेक्टर श्री हर्षल पंचोली एवं पुलिस अधीक्षक श्री मोती उर रहमान ने तत्काल पहुंच मरीजों एवं उनके परिजनों के प्रति पूर्ण संवेदनशीलता दिखाते हुए उनका कुशलक्षेम जाना और मरीजों के जल्द स्वस्थ होने की कामना की। इस दौरान कलेक्टर ने घायलों के बेहतर उपचार के निर्देश मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा चिकित्सकीय और पैरामेडिकल स्टाफ को मौके पर दिये। कलेक्टर ने अधिकारियों को मृतकों एवं घायल मरीजों के परिजनों को शासन द्वारा निर्धारित सहायता राशि दिलाने के निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर के निर्देश पर मृतकों एवं घायलों के परिजनों को रेडक्रास मद से तात्कालिक सहायता राशि भी प्रदान की गई। इस दौरान मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. एस.सी. राय, तहसीलदार श्री अनुपम पाण्डेय, थाना प्रभारी कोतवाली श्री अरविन्द जैन सहित प्रशासन एवं पुलिस के अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

जिला पत्रकार संघ के बैनर तले पुलिस और प्रशासन के खिलाफ पत्रकारों ने दिया धरना

झाबुआ

मुख्यमंत्री से की पत्रकार सुरक्षा कानून लागू करने की मांग

सौ से अधिक पत्रकारों ने की सहभागिता

झाबुआ- प्रदेश में पत्रकारों पर हो रहे हमले और झाबुआ में पत्रकारों को साथ हुए प्रशासनिक दुर्व्यवहार के कारण सोमवार को जिलेभर के पत्रकारों ने जिला पत्रकार संघ झाबुआ के बैनर तले आक्रोश व्यक्त करते हुए धरना प्रदर्शन किया। अम्बेडकर गार्डन में जिले भर से जुटे सैकड़ों पत्रकारों ने प्रदेश में पत्रकार सुरक्षा कानुन लागु करने, प्रशासनिक दुर्व्यवहार सहित अन्य मांगों को लेकर आक्रोष व्यक्त किया। दरअसल विगत दिनों मुख्यमंत्री के झाबुआ आगमन के दौरान कलेक्टर और एसपी द्वारा झाबुआ के कुछ पत्रकारों पर तल्ख टिप्पणी की गई थी जिससे पत्रकारों में आक्रोश व्याप्त हो गया। प्रशासनिक अधिकारियों के धमकी भरे अंदाज में की गई टिप्पणीयों कलमकारों का नागवार गुजरी जिसके चलते सोमवार को बड़ा धरना प्रदर्शन किया गया। धरना प्रदर्षन में जिला पत्रकार संघ के आव्हान पर झाबुआ सहित जिले भर के विभिन्न ग्रामों से लगभग 100 से अधिक पत्रकारों ने सहभागिता कर अपना समर्थन दिया ।

एसडीएम ने लिया ज्ञापन

करीब तीन घंटे चले धरना प्रदर्शन के बाद प्रशानिक अधिकारी के रूप झाबुआ एसडीएम भास्कर घाचले, तहसीलदार सुनील डावर धरना स्थल पर पहुँचे। महेश राठौर ने ज्ञापन का वाचन किया। जिला पत्रकार संघ जिलाध्यक्ष राजेष सोनी ,महासचिव अक्षय भटट, संरक्षक मनोज चतुर्वेदी, संजय भटेवरा, हरिषंकरपंवार, संघ के जिलाउपाध्यक्षा सत्यनारायणसिंह ठाकुर ,मुज्जमिल मंसूरी , राजेश बैरागी, प्रवीण सोलंकी, रणवीर सिंह सिसोदिया सहित कई पत्रकारों ने मुख्यमंत्री के नाम ज्ञापन सौंपा और 15 दिनों में ज्ञापन पर कार्यवाही की मांग की गई। षांतिपूर्ण किए गए धरना प्रदर्षन में सर्वप्रथम जिला पत्रकार संघ जिलाध्यक्ष राजेष सोनी ने सम्बोधित करते हुए इस प्रदर्षन किए जाने के कारणों पर प्रकाष डाला । साथ ही कहा कि प्रषासन और पत्रकार एक दूसरे की कडी है।पत्रकारों को अपने कर्तव्य निर्वहन में जो परेशानी आ रही है यह धरना प्रदर्षन उसकी लडाई है।प्रषासन से व्यक्तिगत द्वेपता नहीं किन्तु पत्रकारों के साथ झाबुआ जिले भर में कई ऐसे मामले सामने आए है जहां पत्रकारों के साथ असहयोगात्मक रवैया प्रषासन का देखने को मिल रहा है ।जिले के अलावा ग्रामीण स्तर पर भी पत्रकारों को प्रषासनिक सहयोग नहीं मिल पाता है । प्रशासन अच्छी खबर की वाहवाही लुटता है लेकिन जब जनहित की खबर चलती है तो प्रशासन कार्यवाही की बात करता है।जिले में पत्रकारों के हितों की रक्षा और सम्मान के लिए संगठन सदैव तत्पर रहा है । संघ के सरंक्षक संजय भटेवरा ने कहा की वर्तमान में पत्रकार सुरक्षा कानून की काफी जरूरत है। पंचायत स्तर से लेकर प्रदेश स्तर तक पत्रकारो पर हमले हो रहे और प्रशासन भी पत्रकारों पर निशना साध रहा है। उन्हांने कहा की कलेक्टर झाबुआ द्वारा यह कहा जाना कि सब दुर केमरे लगा रखे हैं और कौन क्या कर रहा है हमें सब पता, काफी निराशजनक है। ये अधिकारी पत्रकारों को अघोषित रूप से धमकाने की कोशिश कर है जो असहनीय है,जिसका हर स्तर पर विरोध किया जायेगा। संघ के संरक्षक हरिशकर पंवार ने संबोधित करते हुए कहा कि प्रशासन ओर पत्रकार दोनों को एक दुसरे के साथ की जरूरत है, उनसे हम लडाई नहीं कर सकते लेकिन समाचार के माध्यम से भी यदि बात नहीं बनी तो हमे मजबूर होकर कलम डाउन करना पडेगी। उन्होने कहा की पत्रकारो को भी गंभीरता से पत्रकारिता को करना चाहिए। संघ के महासचिव अक्षय भटट ने कहा कि प्रषासन द्वारा पत्रकारों के साथ जिस तरह का असहयोग कर रहा है वह आक्रोष का कारण है जिसे किसी भी स्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा । मनोज अरोडा ने कहां कि आज प्रशासनिक बेरूखी के कारण गांव- गांव से पत्रकार साथीयों को धरना प्रदर्शन में शामिल होने झाबुआ आना पड़ा यह बड़े खेद का विषय है। आलोक द्विवेदी ने कहा कि आज के ऐसे दौर में पत्रकारिता करना एक चुनौती हो गया है, प्रशासनिक अफसरों को पत्रकारों के प्रति सकारात्क रवैया रखना चाहिए किंतु झाबुआ जिले में इसके विपरीत कार्यशेली अधिकारी अपना रहे हैं। राजेन्द्र सिंह सोनगरा ने कहा की पत्रकारों के सम्मान के लिए विरोध स्वरूप धरना प्रदर्शन जैसा कदम उठाना पड़ा प्रशासन और पत्रकार एक सिक्के के दो पहुल है। दोनो जनता की मदद के लिए काम करते हैं, किंतु कई बार प्रशासन में बैठे अधिकारी आलोचनात्क खबरों को व्यक्तिगत लेकर पत्रकारों के प्रति द्वेष भाव रखते हैं जबकि ऐसा नहीं होना चाहिए। पत्रकार सरकार की योजनओ को धरातल पर पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करता है बावजूद यदि प्रषासनिक और पुलिस अधिकारी यदि ऐसा व्यवहार करेंगे तो पत्रकार हतोत्साहित होगा।

कांग्रेस का मिला साथ

पत्रकारों के आक्रोश और धरना प्रदर्शन को कांग्रेस पार्टी का भी साथ मिला। पूर्व केन्द्रीय मंत्री और वरिष्ठ आदिवासी नेता कांतिलाल भूरिया, झाबुआ विधायक और आदिवासी कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. विक्रांत भूरिया, जिला कांग्रेस अध्यक्ष प्रकाश रांका,शहर कांग्रेस अध्यक्ष जितेन्द्र सिंह राठौर, जिला पंचायत अध्यक्ष प्रतिनिधि जसवंत भाबर ने पत्रकारों के धरना प्रदर्शन में शामिल हो कर प्रशासन द्वारा पत्रकारों के साथ किए जो रहे दुर्व्यवहार की आलोचना की और प्रदेश सरकार से ऐसे जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाही की मांग की।

अवैध धंधों पर पूर्णतः लगेगी लगाम-टी आई माधवी अग्निहोत्री

अमानगंज पुलिस की छापामार कार्यवाही लगातार जारी, चार देसी कट्टा और एक पिस्तौल सहित चार आरोपी गिरफ्तार

रामनरेश विश्वकर्मा । सिटी चीफ

पन्ना, जिले में अवैध हथियारों की बिक्री एवं अपराधों पर अंकुश लगाने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक पन्ना द्वारा अवैध शस्त्र रखने, विक्रय करने, अवैध शराब, जुआ, सट्टा , मादक पदार्थ के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के तहत कार्यवाही करते हुए, थाना प्रभारी अमानगंज निरीक्षक माधवी अग्निहोत्री एवं उनकी थाना टीम द्वारा अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पन्ना एवं एसडीओपी गुनौर के निर्देशन में कार्यवाही करते हुए आरोपी राजेंद्र व्यास पिता दिनेश व्यास उम्र 20 साल निवासी महेवा थाना अमानगंज, मनोज विश्वकर्मा पिता सिल्ला विश्वकर्मा उम्र 24 साल निवासी ग्राम चिखला थाना सिमरिया, राजन और साजन पिता कमलेश रैकवार उम्र 22 साल निवासी महेवा थाना अमानगंज एवं महेंद्र विश्वकर्मा पिता शिवराज विश्वकर्मा उम्र 24 साल निवासी रुपझिर थाना रैपुरा जिला पन्ना के कब्जे से अलग-अलग स्थानों से देसी हाथ की बनी पिस्टल और दो जिंदा कारतूस, 315 बोर के तीन देसी कट्टे और तीन जिंदा कारतूस, 12 बोर का खाली खोखा एवं 315 बोर के चार खाली खोखा कुल कीमत करीबन 40000 रुपए के जप्त कर उक्त आरोपियों को गिरफ्तार किया गया और आर्म्स एक्ट की विभिन्न धाराओं के तहत अपराध दर्ज कर न्यायालय के समक्ष पेश किया। मामले में आरोपी दंगल उर्फ ऋषि राज सिंह धंधेरे पिता बबलू राजा धंधेरे निवासी चिखला थाना सिमरिया गिरफ्तारी के वक्त घटना से फरार है। उक्त कर्यवाही में निरीक्षक माधवी अग्निहोत्री, उपनिरीक्षक डीपी मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक सुशील तिर्की, शिवराम नायक, बुद्धि लाल कोल, प्रधान आरक्षक मुकेश सोनी, शिवम शर्मा, राजीव मिश्रा, आरक्षक द्वारका, सतीश, सलीम, लक्ष्मण, अरविंद, विश्वास, लखन, गिरधारी, तुलसीदास, महिला आरक्षक नीतू, रागनी सहित साइबर सेल की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

भीषण गर्मी को देखते हुए शाला समय परिवर्तन हेतु सौंपा गया ज्ञापन

खरगोन खरगोन क्षेत्र में पड़ रही भीषण गर्मी और लू के प्रकोप को देखते हुए विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा को लेकर शाला समय में परिवर्तन की मांग उठाई गई है। इसी सिलसिले में मध्यप्रदेश राज्य कर्मचारी संघ के जिला अध्यक्ष विजय राय सुनहरे एवं सर्व शिक्षक संघ के संजय शर्मा और मोहन यादव के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने कलेक्टर, जिला खरगोन के नाम अनुविभागीय अधिकारी कसरावद श्री सत्येंद्र बैरवा को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि वर्तमान में शालाओं का संचालन प्रातः 7:30 बजे से दोपहर 1:30 बजे तक किया जा रहा है। इस समय में विद्यार्थियों व शिक्षकों को दोपहर की भीषण गर्मी व लू का सामना करना पड़ता है, जिससे उनके स्वास्थ्य पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ रहा है। स्वास्थ्य विभाग द्वारा भी दोपहर 12:00 से 4:00 बजे तक घर से बाहर न निकलने की सलाह दी गई है। ज्ञापन में मांग की गई कि विद्यार्थियों और शिक्षकों के स्वास्थ्य हित में शाला संचालन का समय प्रातः 7:00 बजे से दोपहर 12:00 बजे तक निर्धारित किया जाए। इस प्रतिनिधिमंडल में संभागीय अध्यक्ष संजय शर्मा, सर्व शिक्षक संघ के जिला अध्यक्ष मोहन यादव, रंजन वर्मा, अमृत पटेल, तथा महिला मोर्चा प्रमुख सुनीता वर्मा शामिल रहे। सभी ने इस मांग को आवश्यक और न्यायसंगत बताते हुए प्रशासन से शीघ्र निर्णय लेने की अपेक्षा की गई ।

महावीर भवन मे मनाया विश्व नवकार दिवस

आज भारत सहित सम्पूर्ण विश्व मे जैन सस्था jito के आह्वान पर सुबह 8 बजे से 9:30 बजे तक नवकार मन्त्र के उच्चारण के साथ नवकार दिवस मनाया गया

कसरावद जैन स्वेताबर श्री संघ मे महावीर भवन मे सुबह से श्रावक श्राविका उत्साह से एकत्रित हुए और नवकार आराधना मे लीन हुए जाप मे प्रभावना वितरित की गयी

नवकार महामंत्र पर जैन समाज के सभी लोगो की विशेष श्रद्धा रहती है संजय रायली ने बताया की

इस मन्त्र के प्रथम पांच पदों मे अरिहंत, सिद्ध, आचार्य, उपाध्याय एवं वर्तमान मे विचरण करने वाले पंच महावर्त धारी साधु भगवंत को नमन किया जाता है

जैसे सम्पूर्ण विश्व मे महिला दिवस, योग दिवस जैसे कई दिवस मनाने के कैलेंडर मे तय किया जाता है वैसे ही जैन समाज चाहता है की एक दिवस 9 अप्रेल नवकार दिवस के रूप मे भी मनाया जाये

जाप मे संघ अध्यक्ष तिलोक कवाड़, नवयुवक मंडल अध्यक्ष नितिष लूणिया, अजय रायली, मनोज रायली, प्रेम कवाड़, निर्मल लूणिया, दिलीप लूणिया,सचिन रायली, अमर लूणिया महिला मंडल अध्यक्ष हेमलता रायली के साथ समस्त स्वेताबर एवं दिगंबर जैन समाज के श्रावक श्राविका गण उपस्थित रहे

जिस सनातन धर्म मे जन्म लिया मरते दम तक उसी धर्म का पालन करो अपने हिन्दू होने पर गर्व करो - देवी चित्रलेखा जी

भगवान राम और भगवान कृष्ण इस देश की पहचान है हर परिस्थिति में भगवान पर विश्वास ही सच्ची भक्ति हैँ भगवान भरोसे रहोगे तो वो ही सब व्यवस्था करेगा - देवी चित्रलेखा जी

वृंदावन की पूनम दीदी की भजन सँध्या में भावुक हुए श्रद्धालु....

अनुष्का अधिष्ठा देवी द्वारा श्रीखाटू श्याम जी की भजन संध्या आज....

मेघनगर- भगवान मिलने के बाद भी काम तो भक्ति ही आयेंगी सत्संग ही आएगा....कोई परिचय पूछे तो गर्व से कहो मैं भारत की भूमि से हूँ अपने सनातन धर्म पर गर्व करों अपने हिन्दू होने पर गर्व करो हमारा सौभाग्य है कि हमको भगवान ने भारत की भूमि पर जन्म दिया। युवाओं को धर्म को आगे ले जाना चाहिए। पूरी दुनिया भी जोर लगा दे तो सनातन धर्म को नही मिटा सकता। जब तक धरती रहेगी तब तक सनातन धर्म जीवित रहेगा। धर्म है तो हम जीवित है धर्म ही सही मार्गो को प्रशस्त करता हैँ.... भगवान से जुडे भजनों को अपनी मीठी वाणी में गाकर भी देवी चित्रलेखा जी ने श्रीमद भागवत कथा के प्रमुख दृश्यों का वर्णन किया। उन्होने कहा कि धर्म बचेगा तो हम सुरक्षित रहेंगे गौ माता की सेवा सबको करनी ही चाहिए गौ माता वात्सल्य का श्रेष्ठ स्वरूप है।गौ सेवा करने से भगवान की कृपा प्राप्त होती है।भगवान राम और भगवान कृष्ण इस देश की पहचान है। बुधवार को फुटतालाब में चल रही श्रीमद भागवत कथा में श्रीकृष्ण जन्मोउत्सव मनाया गया। नंद उत्सव श्री कृष्ण जन्मोत्सव में लोगों का उत्साह चरमोत्कर्ष पर दिखाई दिया।इस अवसर पर श्रीमती सीमा सुरेश जैन और परिवार ने भगवान श्री कृष्ण के जन्म उत्सव में विशेष रूप से फूलों की वर्षा कर भगवान का अभिनंदन और स्वागत किया विशेष रूप से

इस अवसर पर खिलौने और बिस्कुट के साथ महाप्रसादी भी वितरित की गई। भगवान को माखन और मिश्री का भोग लगाया गया सभी ने एक दूसरे को श्री कृष्ण जन्म उत्सव नंद उत्सव की बधाई दी अधिकतर महिलाएं पीले वस्त्र पहनकर आई थी सभी ने नृत्य कर भगवान श्री कृष्ण के जन्म की खुशियां मनाई....

वृंदावन की पूनम दीदी की भजन सँध्या में भावुक हुए श्रद्धालु.... वही मंगलवार शाम वृंदावन से फुटतालाब पहुँची प्रख्यात भजन गायक और संत पूनम दीदी ने जब इस दिल मे बसाने को हरी अपने चरण दे दो....मुझे अपने ही रँग में रंग ले मेरे यार सांवरे जैसे श्रीकृष्ण की भक्ति में डूबे भजन गाये तो श्रद्धालुओं की आँखे छलक आयी । पूनम दीदी को सुनने रानापुर आलीराजपुर पास के राज्य गुजरात से भी लोग पहुँचे। उनके भावनात्मक भजनों के बीच भक्तों ने नृत्य भी किया। उनके साथ आये सभी कलाकारो भी लगातार सराहना की गयी सुरेश चंद्र पूरणमल पप्पू भियाँ राजेश रिंकु जैन जैकी जैन और परिवार ने अभिनंदन कर उनका आत्मीय स्वागत किया। आयोजन समिति के सभी सदस्यों के साथ वरिष्ठ समाजसेवी सुरेश चंद्र पूरणमल जैन राजेश रिंकु जैन जैकी जैन ने बताया कि बुधवार के अनुष्का अधिष्टा देवी द्वारा श्रीखाटू श्याम जी के भजन और महावीर जयंती के उपलक्ष्य में जैन भजनो की प्रस्तुतियां दी जायेगी। उन्होंने नगर और जिले के लोगो के साथ ग्रामीण अंचल की माताओं बहनों से भी विनम्र आग्रह किया कि प्रतिदिन प्रात: 11 से दोपहर 2 बजे तक कथा में पधारे शाम 8 बजे धार्मिक भजनों के कार्यक्रम में भी आये साथ ही प्रतिदिन सुबह शाम होने वाली श्रीरामभक्त हनुमान जी की महाआरती में भी सम्मलित हों।

पिपलौदा में शिक्षा समिति की समीक्षा बैठक आयोजित

पिपलोदा - जिला पंचायत के उपाध्यक्ष एवं जिला शिक्षा समिति के पदेन अध्यक्ष केसु राम निनामा, जिला पंचायत सदस्य डीपी धाकड़, राजेश भरावा द्वारा समीक्षा बैठक आयोजित की गई ।बैठक जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान पिपलोदा में सहायक संचालक शिक्षा अभिषेक यादव, प्राचार्य डाइट पिपलोदा डॉ नरेंद्र कुमार गुप्ता, विकासखंड स्त्रोत समन्वयक प्रदीप सिंह बेस मौजूद थे

बैठक में कक्षा पांचवी,आठवीं बोर्ड परीक्षा परिणाम तथा शालावार स्थानीय परीक्षाओं का की समीक्षा की गई। विकासखंड के 10 खराब प्रदर्शन, तथा 10 बहुत अच्छी शाला जिनके परिणाम 100त्र रहा की सबसे पहले समीक्षा की गई। तत्पश्चात स्कूल भवनों की मरम्मत, स्कूलों में समय से शिक्षकों की उपस्थिति, शिक्षकों की कमी, पाठ्य पुस्तक वितरण, गणवेश वितरण, मध्यान भोजन वितरण, दिव्यांग छात्रों का भत्ता स्वीकृत, छात्रवृत्ति वितरण, साइकिल वितरण, शिक्षा में गुणवत्ता व मूलभूत सुविधाओं को लेकर बिंदुवार चर्चा की गई। तथा आवश्यक निर्देश दिए गए। साथ ही जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान में स्टार्स योजना अंतर्गत प्रधान अध्यापकों का लीडरशिप प्रशिक्षण का भी निरीक्षण किया गया । प्रधान अध्यापकों से संवाद कर शिक्षा में गुणवत्ता लाने के प्रयास करने हेतु कहा गया। बैठक में सी एम राइज विद्यालय प्राचार्य संजय शर्मा, प्राचार्य रामलाल मईडा, कलम सिंह सिसोदिया, बोथ लाल मीणा, शिवनारायण चौधरी, मिथिलेश सग्रावत, अंजुम बानो खान, मनीष सुपेकर, उषा जोशी, शैलेंद्र सिंह डोडिया, शकुंतला पाल, हीरालाल प्रजापत,प्रधान लिपिक संजय शर्मा,लेखपाल मनोज चौहान, नितिन नांदेचा, खंड अकादमीक समन्वयक रामदयाल आंजना, बलराम चौहान, जनशिक्षक अंबाराम बोस, सोमेश बार्गल, हरिशंकर रावल, बसंतीलाल पाटीदार, रामप्रसाद पाटीदार, लोकेंद्रसिंह देवड़ा, मोहम्मद शाहिद खान, घनश्याम बैरागी, मोहनसिंह सोलंकी, भोपाल पाल सिंह राठौर, नितिन दुबे, लक्ष्मीनारायण जोशी आदि उपस्थित थे।

कलेक्टर श्री चंद्रा ने किया जिला कोषालय के दृढ़ कक्ष का निरीक्षण

स्टांप का सुव्यवस्थित रिकार्ड संधारित करने के दिए निर्देश

नीमच कलेक्टर श्री हिमांशु चंद्रा ने बुधवार को जिला कोषालय नीमच के दृढ़ कक्ष(स्ट्रांग रूम) का वार्षिक लेखा बंदी के परिपेक्ष्य में निरीक्षण किया और उपलब्ध स्टाम्प का स्टॉक एवं स्टांप वितरण की जानकारी ली ।कलेक्टर ने स्टांप वेंडरों को स्टांप इश्यू करने की प्रक्रिया की जानकारी ली ।उन्होंने निर्देश दिए की स्टांप इश्यू करने का सुव्यवस्थित रिकार्ड संधारित किया जाए। इस अवसर पर जिला कोषालय अधिकारी श्री बी एम सुरावत सहित कोषालय के कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने इस निरीक्षण के दौरान उपलब्ध स्टांप, टिकट एवं नोटरी टिकट की उपलब्धता की भी जानकारी ली और उनका अवलोकन भी किया।

आज देश में जनता को जनार्दन मानने वाली सरकार - बालकृष्ण पाटीदार

- भाजपा खरगोन विधानसभा क्षेत्र का सक्रिय सदस्य सम्मेलन संपन्न

- वक्ताओं ने सक्रिय सदस्यों को विभिन्न विषयों पर दिया मार्गदर्शन

खरगोन। देश के लोगों ने वह दौर भी देखा है जब आजादी के अनेक दशकों बाद तक, देश की बहुत बड़ी आबादी मूलभूत सुविधाओं से वंचित रही। उन्हें न पक्के घर मिले, न शौचालय मिले। न बिजली के कनेक्शन मिले, न गैस कनेक्शन मिले। और न ही बीमा, न पेंशन मिले। भारत की आधी से अधिक आबादी के पास बैंक खाते तक नहीं थे। निराशा की इस स्थिति को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बदला है। वे कहते हैं- आज देश में जो सरकार है, वो जनता को जनार्दन मानने वाली, ईश्वर का रूप मानने वाली सरकार है और हम सत्ता भाव से नहीं, सेवा भावना से काम करने वाले लोग हैं ।यह बात भारतीय जनता पार्टी खरगोन विधानसभा क्षेत्र के सक्रिय सदस्य सम्मेलन में मुख्य वक्ता खरगोन विधायक व पूर्व राज्यमंत्री बालकृष्ण पाटीदार ने कही। भाजपा जिला मीडिया प्रभारी प्रकाश भावसार ने बताया बुधवार को स्थानीय क्रांतिसूर्य टंट्या भील विश्वविद्यालय सभागार में सक्रिय सदस्य सम्मेलन हुआ। विषय प्रवर्तक पाटीदार ने प्रधानमंत्री के रूप में माननीय नरेंद्र मोदीजी के साथ लगभग 11 वर्षों में विकसित भारत की ओर अग्रसर यात्रो विषय पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने मोदी सरकार की 11 वर्ष की उपलब्धियां गिनाते हुए कहा मोदीजी ने सेवक की भावना से काम करना शुरू किया। नौकरशाही वही थी, लेकिन सोच बदली तो परिणाम बदल गए। पाटीदार ने मोदी सरकार की योजनाओं पीएम स्वनिधि, पीएम उज्वला योजना, आयुष्मान भारत पीमए-जय, पीएम आवास योजना शहरी व ग्रामीण, स्वच्छ भारत अभियान शहरी व ग्रामीण, पीएम किसान सम्मान निधि, किसान क्रेडिट कार्ड, हर घर जल- जल जीवन मिशन, जन धन योजना, पीएम गरीब कल्याण अन्न योजना, पीएम भारतीय जन औषधि परियोजना, स्टार्टअप इंडिया के अलावा मध्यप्रदेश की डबल इंजन भाजपा सरकार की उपलब्धियां बताई। स्वागत भाषण में जिलाध्यक्ष नंदा ब्राह्मणे ने सक्रिय सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा आप देवतुल्य कार्यकर्ता ही पार्टी की रीढ़ हों। आपके दम पर ही संगठन की महत्वपूर्ण गतितिविधियां संचालित होंगी। पार्टी आप जैसे निष्ठावान कार्यकर्ताओं के बलबूते ही आगामी चुनावों में उतरेगी। विषय प्रवर्तक विजय पटेल ने भाजपा की चुनावी सफलता एवं संगठनात्मक विस्तार विषय पर प्रकाश डाला। भाजपा स्थापना दिवस कार्यक्रमों के जिला संयोजक व विषय प्रवर्तक अजीत छाजेड़ ने भारतीय राजनीति में भाजपा द्वारा लाया गया परिवर्तन विषय पर विचार रखे। कार्यक्रम में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष जगदीश पटेल, खरगोन नपाध्यक्ष छाया जोशी, भाजपा खरगोन पूर्वी नगर मंडल अध्यक्ष अभिलाष अत्रे, ग्रामीण मंडल अध्यक्ष भूपेंद्र पाटीदार मंचासीन थे। कार्यक्रम का संचालन जिला उपाध्यक्ष व कार्यक्रम प्रभारी लक्ष्मण इंगले ने किया तथा आभारअभिलाष अत्रे ने माना।

जल संकट की परवाह न करते सीएमओ जल गंगा संवर्धन अभियान को ठेंगा दिखाती सड़क धुलाई अभियान चला रही

पेटलावद- मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉक्टर मोहन यादव के निर्देशानुसार 30 मार्च से 30 जून तक जल गंगा संवर्धन अभियान चलाया जा रहा हैज्वही झाबुआ जिले में कलेक्टर नेहा मीना के मार्गदर्शन में बड़े पैमाने पर अभियान मूर्त रूप ले चुका है। जल गंगा संवर्धन अभियान से ग्रामीण क्षेत्रों में भी ग्रामीण बढ़-चढ़कर भाग ले रहे हैं और जल संरक्षण हेतु आगे आ रहे हैंज्लेकिन पेटलावद नगर परिषद की सीएमओ को लगता है जल गंगा संवर्धन अभियान से ज्यादा सड़कों की धुलाई की अधिक चिंता है जबकि माही डेम में पर्याय पानी नहीं है ऐसा सूत्र बता रहे ओर शहर में भी एक दिन छोड़कर पानी दिया जा रहा वह भी पर्याप्त नहीं ओर पानी भी गंदा सप्लाय हो रहा है जिसकी वीडियो हमारे पास उपलब्ध है।सीएमओ पीतल यहां सड़कों पर टैंकरों के माध्यम से व्यर्थ पानी बहाया जा रहा है। सीएमओ पेटलावद हादसे से लोगो का ध्यान हटाने के लिए शहर की सड़कों को पानी टैंकर के माध्यम से धुलवा रही जिसकी तस्वीर हम प्रकाशित कर रहे है।जबकि अभी से गर्मी का प्रचंड रूप देखने को मिल रहा है वही नगर और क्षेत्र में अभी से ही जल स्त्रोत दम तोड़ते हुए नजर आने लगे हैं। धीरे-धीरे ट्यूबवेल, कुँए सूखने लगे हैं ऐसी स्थिति में

शहर के लोगो की भीषण गर्मी में कैसे प्यास बुझेगी जब पानी ही पर्याप्त नहीं होगा।

जल संकट को लेकर नगर परिषद पेटलावद की सीएमओ गंभीर दिखाई नहीं दे रही इनकी सड़कों की धुलाई से पेटलावद सीएमओ की एक बड़ी लापरवाही सामने आई है। नगर परिषद सीएमओ का जिम्मेदार अधिकारी होने के नाते भी नगर पर कोई ध्यान नहीं है। नगर परिषद क्षेत्र में मनमाने ढंग से कार्य चल रहे है। पेटलावद नगर सहीत क्षेत्र में जो जल स्त्रोत है धीरे-धीरे बंद होते जा रहे हैं। गर्मी ने भी विकराल रूप ले लिया है। कलेक्टर नेहा मीना द्वारा जिले में जल अभाव ग्रस्त घोषित किया जाकर जल संरक्षण को लेकर लगातार अपील की जा रही है। लेकिन कलेक्टर और तमाम बड़े अधिकारियों के निर्देशों की अवहेलना करते हुए पेटलावद में नगर परिषद सीएमओ व परिषद के जिम्मेदार पानी बचाने के स्थान पर पानी को व्यर्थ बहाते हुए नजर आ रहे हैं। पानी की कमी के चलते पानी के टैंकरों का शुल्क 250 रुपये से बढ़कर 400 से 500 रुपये तक हो चुका है। हालत यह है कि लोग पानी के लिए अब मशक्कत करते हुए दिखाई दे रहे हैं। जबकि नगर परिषद अभी भी लापरवाह बनी हुई है और सड़कों पर सड़के ठंडी करने के नाम पर टैंकरों से हजारों लीटर पानी व्यर्थ बहाया जा रहा है।जिला प्रशासन भीषण गर्मी ओर आगामी जेल संकट को मद्दे नजर रखते हुए नगर परिषद पेटलावद के द्वारा व्यर्थ पानी बहाए जाने पर संज्ञान लेकर सख्त कार्यवाही करे ताकि सीएमओ की लापरवाही का खामियाजा शहर की जनता को भीषण गर्मी में भुगतना नहीं पड़े।

केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी व मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 10 अप्रेल को बदनावर मे...

बदनावर, उज्जैन फोरलेन का करेंगे उद्घाटन...

70 हजार स्[यर फीट में दस हजार लोगों के बैठने के लिए बनेगा पंडाल

बदनावर/धार-उज्जैन-बदनावर के बीच 1352 करोड़ रुपए की लागत से बने फोरलेन मार्ग का लोकार्पण गुरुवार को होगा। केंद्रीय सडक़ परिवहन मंत्री नितिन गडकरी और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव सुबह 11ः40 बजे हेलीकॉप्टर से बदनावर पहुंचेंगे। 69.1 किलोमीटर लंबी इस फोरलेन का मुख्य कार्यक्रम रतलाम रोड स्थित ओवरब्रिज के पास आयोजित किया जाएगा। दोनों नेता करीब 80 मिनट तक कार्यक्रम में मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियां तेज हैं। कार्यक्रम स्थल के भूमि स्वामी की लिखित अनुमति मिलने के बाद खेत की साफ-सफाई का काम पूरा किया जा चुका है और समतलीकरण का कार्य रोलर से किया जा रहा है। अब कार्यक्रम स्थल पर हेलीपेड और डोम बनाने का काम शुरू किया जाएगा। वही केंद्रीय राज्यमंत्री सावित्री ठाकुर, भाजपा जिला अध्यक्ष निलेश भारती, मनोज सोमानी, राजवर्धनसिंह दत्तीगांव, कलेक्टर प्रियंक मिश्रा एवं पुलिस अधीक्षक मनोज कुमार सिंह, एसडीएम दीपक चौहान सहित संबंधित अधिकारीगण ने मौके पर पहुंचकर तैयारियों का जायजा लिया। अधिकारियों ने हेलीपेड, यातायात व्यवस्थाएं, वीआईपी सुरक्षा व्यवस्था, पार्किंग और आमजन की बैठने की सुविधाओं की विस्तार से समीक्षा की। सुरक्षा के दृष्टिकोण से सभी बिंदुओं पर भी चर्चा की गई। बदनावर तहसीलदार सुरेश नागर ने बताया कि कार्यक्रम के दौरान जनसमुदाय को कोई असुविधा न हो, इसके लिए सुगम ट्रैफिक रूट साइनेज के

साथ तैयार किया जा रहा है।

नगरपालिका, लोक निर्माण विभाग और पुलिस प्रशासन को कार्यक्रम के सफल आयोजन के लिए विशेष जिम्मेदारियां सौंपी गई हैं। स्थानीय स्वयंसेवी संस्थाओं और स्कूली बच्चों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की भी तैयारी चल रही है, जिससे कार्यक्रम में स्थानीय सहभागिता को प्रोत्साहन मिले।

विभाग बार ली बैठक लोकार्पण कार्यक्रम की तैयारियों के संबंध में एसडीएम दीपक चौहान ने एसडीएम कार्यालय में समस्त विभागीय अधिकारियों की समन्वय बैठक ली। इसमें कार्यक्रम से जुड़ी व्यवस्थाओं की गहन समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए और जिम्मेदारियां सौंपी गईं। बैठक में तहसीलदार सुरेश नागर भी मौजूद रहे। एसडीएम चौहान ने स्पष्ट कहा कि कार्यक्रम पूरी गरिमा और अनुशासन के साथ संपन्न होना चाहिए। इसके लिए सभी विभाग प्रमुखों को अपने-अपने दायित्वों का गंभीरतापूर्वक निर्वहन करना होगा। उन्होंने अधिकारियों को सचेत करते हुए कहा किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में कार्यक्रम स्थल की व्यवस्थाएं, सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात नियंत्रण, पेयजल उपलब्धता आदि मुद्दों पर चर्चा की गई। बताया जा रहा है कि कार्यक्रम में 130 स्कूलों बसों के माध्यम से लोगों को ले जाया जायेगा। वही 400 चार पहिया वाहन रहेंगे जिसमे अधिकारी रहेंगे। सरदारपुर से 40, तो धार में 30 बसों को दिया गया वही बदनावर में 53 बसों के माध्यम से सभा स्थल पर जनता को लाया जायेगा।

राजनीतिक स्तर पर भी गतिविधियां तेज कार्यक्रम को लेकर प्रशासनिक तैयारियों के साथ-साथ राजनीतिक स्तर पर भी गतिविधियां तेज हो गई हैं। कार्यक्रम में अधिक से अधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के लिए सोमवार से प्रचार रथ क्षेत्रीय भ्रमण पर रवाना हो गया। इसके अतिरिक्त पार्टी स्तर पर भी जनसंपर्क किया जा रहा है। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजवर्धन सिंह दत्तीगांव एवं भाजपा जिलाध्यक्ष निलेश भारती ने पार्टी कार्यकर्ताओं व जनप्रतिनिधियों को आमजन को कार्यक्रम में आमंत्रित करने की जिम्मेदारियां सौंपी हैं। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि हर गली, मोहल्ले और वार्ड तक आमंत्रण पहुंचे। नगर परिषद अध्यक्ष मीना शेखर यादव ने भी बैठक आयोजित कर लोकार्पण कार्यक्रम को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए निकायकर्मियों को निर्देशित किया है।

बांग्लादेश में चुनाव दिसंबर या अगले साल जून तक संभव: मोहम्मद यूनुस

ढाका। बांग्लादेश की अंतरिम सरकार के प्रमुख और मुख्य सलाहकार प्रो. मोहम्मद यूनुस ने कल यहां ब्रिटेन की व्यापार दूत बैरोनेस रोजी विंटरटन के साथ स्टेट गेस्ट हाउस जमुना में चर्चा की। यूनुस ने इस दौरान कहा कि देश में अगले संसदीय चुनाव इस वर्ष दिसंबर या अगले साल जून में कराए जा सकते हैं। द डेली स्टार अखबार की खबर के अनुसार, प्रो. मोहम्मद यूनुस ने कहा कि यह इस बात पर निर्भर करेगा कि अंतरिम सरकार किस हद तक सुधार लागू करेगी। यदि राजनीतिक दल छोटी सुधार प्रक्रिया पर सहमत होते हैं तो चुनाव दिसंबर में हो सकते हैं। यदि अधिक व्यापक सुधार का रास्ता चुना जाता है तो चुनाव अगले साल जून तक हो सकते हैं। यहां यह उल्लेख करना महत्वपूर्ण है कि उन्होंने पहले कहा था कि चुनाव दिसंबर या अगले साल मार्च तक कराए जा सकते हैं। प्रो. यूनुस ने कहा कि बांग्लादेश अपने इतिहास में परिवर्तनकारी दौर से गुजर रहा है। यह हमारे लिए बेहद महत्वपूर्ण समय है। अंतरिम सरकार संस्थानों के पुनर्निर्माण और प्राथमिकताओं को नया आकार देने पर ध्यान केंद्रित कर रही है। इस बैठक में दोनों नेताओं ने शिक्षा, कपड़ा उद्योग, रक्षा और विमानन सहित रणनीतिक सहयोग के व्यापक क्षेत्रों पर भी चर्चा की। अंतरिम सरकार प्रमुख यूनुस ने इसके बाद संवैधानिक सुधार पहल के प्रमुख अली रियाज के साथ भी बैठक की। यूनुस इन दिनों देश में प्रमुख संस्थानों के पुनर्निर्माण और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं को नया स्वरूप देने के उद्देश्य से व्यापक सुधार एजेंडे का नेतृत्व कर रहे हैं। छह प्रमुख सुधार आयोग सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप चुके हैं। इस पर राष्ट्रीय सहमति के लिए राजनीतिक दलों के साथ चर्चा की जा रही है।

अमेरिका ने चीन को छोड़ बाकी देशों पर लगाए गए टैरिफ को 90 दिन के लिए रोका

वाशिंगटन। दुनियाभर में हुई आलोचना के बाद अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को आखिरकार पारस्परिक टैरिफ (शुल्क) पर अपने कदम पीछे खींचने पड़े। उन्होंने घोषणा की कि पारस्परिक टैरिफ को 90 दिनों के लिए रोका जा रहा है। मगर इससे चीन को छूट नहीं दी गई है। ट्रंप के इस कदम से कल अमेरिकी शेयर बाजार में भारी उछाल आया। द न्यूयॉर्क टाइम्स अखबार की खबर के अनुसार, राष्ट्रपति ट्रंप के अपने रुख को पलटने से शेयर बाजार में रौनक लौट आई। ट्रंप ने साफ किया है कि चीन को इस रोक में शामिल नहीं किया जाएगा। उसके निर्यात पर टैरिफ दर को 125 प्रतिशत कर दिया गया है। यह निर्णय बीजिंग के अमेरिकी वस्तुओं पर अपने शुल्क को 84 प्रतिशत तक बढ़ाने के बाद लिया गया। व्हाइट हाउस ने कहा कि टैरिफ को घटाकर 10 प्रतिशत किया जाएगा, लेकिन यह कनाडा और मैक्सिको पर लागू नहीं होगा। ट्रंप ने यह पूछे जाने पर कि उन्होंने अचानक रोक लेने का फैसला क्यों किया पर कहा, ठीक है, मुझे लगा कि लोग थोड़ा सा लाइन से हट गए हैं। मगर अभी अभी कुछ भी खत्म नहीं हुआ है। हमें अन्य देशों से जबरदस्त उत्साह मिला है। 75 से अधिक देश सौदे के लिए तैयार हैं। इस पर ट्रेजरी सेक्रेटरी ने कहा कि टैरिफ पर वापसी राष्ट्रपति की बड़ी रणनीति का हिस्सा है। ट्रंप के इस कदम से एसएंडपी 500 ने दिन का अंत 9.5 प्रतिशत की बढ़त के साथ किया, जो अक्टूबर 2008 के बाद से इसका सबसे अच्छा दिन था। उल्लेखनीय है कि ट्रंप के सबसे करीबी एलन मस्क ने भी उन्के पारस्परिक शुल्क पर विचार करने की अपील की थी। बड़ी बात यह है कि ट्रंप को इस मसले पर अपने ही देश में विरोध का सामना करना पड़ा। अमेरिकी अरबपति निवेशक बिल एकमैन ने नए टैरिफ को 90 दिन तक के लिए टालने की अपील की थी।

केन्द्रीयमंत्री गडकरी आज मप्र को देंगे सड़कों और फ्लाई ओवर की बड़ी सौगात

भोपाल। केन्द्रीय सड़क परिवहन और राजमार्गमंत्री नितिन गडकरी आज मध्य प्रदेश के एक दिवसीय प्रवास पर आ रहे हैं। वो यहां धार जिले के खेड़ा (बदनावर) में आयोजित समारोह में प्रदेश के विभिन्न क्षेत्रों के लिए सड़कों और फ्लाई ओवर की सौगातें देंगे। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव विशेष रूप से मौजूद उपस्थित रहेंगे ।जनसम्पर्क अधिकारी महिपाल अजय ने बताया कि केन्द्रीयमंत्री गडकरी पूर्वान्ह 11ः45 बजें बदनावर पहुंचेंगे और यहां उज्जैन-बदनावर खंड पर नवनिर्मित फोरलेन सड़क का लोकार्पण करेंगे। साथ ही उज्जैन-गरोठ के खेड़ा खजुरिया से सुहागड़ी तक 4/6 लेन ग्रीनफील्ड हाई-वे, उज्जैन-गरोठ के सुहागड़ी से बर्डिया अमरा तक 4/6 लेन ग्रीनफील्ड हाई-वे, जीरापुर-सुसनेर-मध्य प्रदेश एवं राजस्थान बॉर्डर खंड पर पेव्ड शोल्डर के साथ टूलेन सड़क और बाकानेर घाट पर पेव्ड शोल्डर के साथ अतिरिक्त थ्री-लेन सड़क का भी लोकार्पण करेंगे ।इस दौरान संदलपुर-नसरुल्लागंज खंड पर फोर-लेन सड़क, चंदेरी-पिछोर खंड पर पेव्ड शोल्डर के साथ टू-लेन सड़क, इंदौर-गुजरात खंड पर सात फ्लाई ओवर एवं अंडरपास, शाजापुर, कनासिया एवं एमआईडीसी इंडस्ट्रीयल एरिया में तीन फ्लाई ओवर, अंडरपास तथा रसलपुर जंक्शन पर फ्लाई ओवर के कार्यों का शिलान्यास किया जायेगा।

पाकिस्तान का अफगान शरणार्थियों को निष्कासित करने के अभियान जारी, 8 हजार लोगों को देश से निकाला

इस्लामाबाद । पाकिस्तान ने देशभर में अवैध अफगान नागरिकों को निष्कासित करने के अभियान के तहत 8,000 से अधिक अफगान शरणार्थियों को अफगानिस्तान वापस भेज दिया है. यह कार्रवाई उस समय शुरू की गई जब अफगान सिटिजन कार्ड धारकों की स्वैच्छिक वापसी की समयसीमा 31 मार्च को समाप्त हो गई. सरकारी सूत्रों के अनुसार, 1 अप्रैल से अब तक लगभग 8,115 अफगान नागरिकों को तोर्खम बॉर्डर के रास्ते उनके देश भेजा गया है. बताया गया कि ये लोग मुख्य रूप से पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों से गिरफ्तार किए गए थे और सत्यापन के बाद उन्हें अफगान अधिकारियों को सौंप दिया गया.

एक रिपोर्ट के मुताबिक पंजाब प्रांत में सबसे अधिक सक्रियता से यह अभियान चल रहा है, जहां प्रतिदिन सैकड़ों अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया जा रहा है और उन्हें विशेष केंद्रों में भेजा जा रहा है, जहां से उन्हें वापस अफगानिस्तान भेजा जा रहा है.

पंजाब सरकार ने घोषणा की है कि उन्होंने प्रांत के विभिन्न हिस्सों से 5,000 से अधिक अफगान नागरिकों को गिरफ्तार किया है. एक अधिकारी के अनुसार, सुरक्षा एजेंसियों ने पंजाब में 1 लाख अवैध रूप से रह रहे अफगानों की पहचान की है, जिन्हें जल्द ही निष्कासित किया जाएगा. हालांकि, वैध दस्तावेज रखने वाले अफगानों को नहीं निकाला जाएगा.

सिंध प्रांत से भी सैकड़ों अफगान नागरिकों को गिरफ्तार कर निर्वासित किए जाने की खबरें सामने आई हैं.

यह निष्कासन अभियान का दूसरा चरण है, जो विशेष रूप से ACC धारकों को लक्षित कर रहा है.

ट्रंप प्रशासन ने एफबीआई निदेशक काश पटेल की एटीएफ से छुट्टी की

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के प्रशासन ने एफबीआई निदेशक काश पटेल को अल्कोहल, तंबाकू, आग्नेयास्त्र और विस्फोटक ब्यूरो (एटीएफ) के कार्यवाहक निदेशक के पद से हटा दिया है। उनकी जगह सेना सचिव डैन ड्रिस्कॉल को नियुक्त किया है। यह स्पष्ट नहीं है कि पटेल को एटीएफ के कार्यवाहक प्रमुख के पद से कब हटाया गया। बुधवार तक, पटेल की तस्वीर और पद को एटीएफ की वेबसाइट से नहीं हटाया गया।

अमेरिका की प्रमुख न्यूज वेबसाइट %द हिल% की खबर में सूत्रों के हवाले से यह जानकारी दी गई। एक रक्षा अधिकारी ने कहा कि ड्रिस्कॉलको एटीएफ का नया कार्यवाहक निदेशक नियुक्त किया गया है। वह सेना के सचिव बने रहेंगे। उल्लेखनीय है कि फरवरी के अंत में पटेल को न्याय विभाग (डीओजे) के भीतर एक घरेलू कानून प्रवर्तन एजेंसी एटीएफ के कार्यवाहक निदेशक के रूप में नामित किया गया था। एफबीआई की कमान संभालने के तुरंत बाद उन्हें शपथ दिलाई गई थी। इस बदलाव पर एफबीआई ने किसी भी तरह की टिप्पणी करने से इनकार कर दिया।

एटीएफ विस्फोटक, आग्नेयास्त्रों और आगजनी के साथ-साथ तंबाकू और शराब की अवैध तस्करी से जुड़े संघीय अपराधों की जांच करता है और उन्हें रोकने का प्रयास करता है। पिछले महीने, 14 डेमोक्रेट्स के एक समूह ने चार मार्च को लिखे एक पत्र में ट्रंप से पटेल को एटीएफ के कार्यवाहक निदेशक के पद से हटाने का आह्वान किया था। सांसदों, हाउस गन वायलेंस प्रिवेंशन टास्क फोर्स के सदस्यों ने कहा कि यह अविश्वसनीय है कि अपराध से लड़ने, सामूहिक गोलीबारी का जवाब देने या घरेलू आतंकवाद का सामना करने का अनुभव न रखने वाले किसी व्यक्ति को एटीएफ के कार्यवाहक निदेशक के रूप में नामित किया गया है।

एटीएफ के पिछले निदेशक स्टीव डेटलबैक ने जनवरी में इस्तीफा दिया था। डेटलबैक 2015 के बाद से एजेंसी के पहले स्थायी प्रमुख थे। ड्रिस्कॉल को पिछले साल दिसंबर में ट्रंप ने सेना का नेतृत्व करने के लिए चुना था। फरवरी के अंत में उनकी सेना सचिव के रूप में पुष्टि की गई थी। ड्रिस्कॉल ने साढ़े तीन साल तक सेना में सेवा की। 2009 में उन्हें इराक में तैनात किया गया था। ड्रिस्कॉल ने येल लॉ स्कूल में पढ़ाई की। यहीं उनकी मुलाकात उपराष्ट्रपति वेंस से हुई थे। महत्वपूर्ण यह है कि पिछले तीन माह में ट्रंप नौ से ज्यादा सैन्य अधिकारियों की छुट्टी कर चुके हैं। काश पटेल को पद से ऐसे समय में हटाया गया है. जब अमेरिकी न्याय विभाग ड्रग एनफोर्समेंट एडमिनिस्ट्रेशन और अल्कोहल, तंबाकू, आग्नेयास्त्र और विस्फोटक ब्यूरो संभावित विलय पर विचार कर रहा है। दोनों का विलय खर्चा कम करने के लिए किया जा सकता है। ऐसे में पटेल की छुट्टी कई तरह के सवाल खड़े कर रही है।

काश पटेल का पूरा नाम कश्यप प्रमोद पटेल है। काश पटेल का परिवार मूल रूप से वडोदरा का रहने वाला है। काश के माता-पिता युगांडा में रहते थे। 1970 के दशक में वो अमेरिका आए। काश का जन्म गार्डन सिटी, न्यूयॉर्क में हुआ है। उनके पास पेस यूनिवर्सिटी से कानून की डिग्री है। नौ साल तक वकील के रूप में प्रैक्टिस करने के बाद वे अमेरिकी न्याय विभाग में शामिल हुए। साल 2017 में उन्हें इंटेलिजेंस पर हाउस पार्लियामेंट्री सेलेक्ट कमेटी का सदस्य बनाया गया। काश पटेल रिपब्लिकन पार्टी से जुड़े रहे हैं और उन्हें ट्रंप का करीबी माना जाता है।

ट्रंप के इस कदम से निवेशकों की हुई बल्ले-बल्ले

अमेरिकी बाजार में रिकॉर्ड तोड़ तेजी, भारत को नहीं मिलेगा फायदा

नई दिल्ली । अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रेसिप्रोकल टैरिफ पर 90 दिनों के लिए रोक लगाने की घोषणा की है लेकिन चीन को इस छूट को अलग रखा गया है। इसके बाद बुधवार को अमेरिकी शेयर बाजार में भारी उछाल आया। अमेरिकी शेयर बाजार इस बात का इंतजार कर रहा था कि ट्रंप अपने टैरिफ को लेकर क्या रुख अपनाते हैं। जैसे ही ट्रंप ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि उन्होंने ज्यादातर रेसिप्रोकल टैरिफ पर रोक लगा दी है, निवेशकों ने तुरंत शेयर खरीदने शुरू कर दिए। डाउ जोंस के इतिहास में पहली बार 3,000 अंक की उछाल आई। इसका असर आज एशियाई बाजार में भी दिखने को मिल रहा है। जापान का मार्केट खुलते ही 10 फीसदी उछल गया। लेकिन भारतीय निवेशकों को इसका फायदा नहीं मिलेगा क्योंकि महावीर जयंती के कारण घरेलू शेयर मार्केट आज बंद है। ट्रंप के बयान से अमेरिकी शेयर बाजार में ऐतिहासिक तेजी आई। Dow Jones कारोबार के दौरान पहली बार 3,000 अंक से अधिक उछला। अंत में यह 2,963 अंक यानी 7.87% बढ़ गया। S&P 500 में 9.52% की वृद्धि हुई। टेक्नोलॉजी शेयरों वाला 12.16% उछल गया। S&P 500 के लिए यह अक्टूबर 2008 के बाद सबसे अच्छा दिन था। इसी तरह Nasdaq के लिए यह जनवरी 2001 के बाद सबसे अच्छा दिन था और इसके इतिहास का दूसरा सबसे अच्छा दिन था। Dow Jones में पिछले पांच सालों में सबसे बड़ी तेजी आई।

क्यों आई तेजी जानकारों का कहना है कि बाजार में यह तेजी बहुत बड़ी है। इससे पता चलता है कि बाजार इस मुद्दे पर स्पष्टता के लिए कितना बेताब था। S&P 500 में शामिल हर कंपनी के शेयरों में तेजी आई। ऐमजॉन के शेयरों में 11.98%, नाइकी में 11.36%, यूनाइटेड एयरलाइन्स में 26.14%, डेल्टा एयर में 23.38% और अमेरिकन एयरलाइन्स में 22.6% तेजी आई। Nasdaq पर ऐपल के शेयर 15.33% बढ़ गए। इसी तरह एनवीडिया में 18.72% और टेस्ला में 22.69% की तेजी आई।

S&P 500 दो दिन पहले के निचले स्तर से 12.86% ऊपर है। लेकिन यह अब भी 2 अप्रैल के अपने स्तर से 3.7% नीचे है। 2 अप्रैल को ट्रंप ने पहली बार रेसिप्रोकल टैरिफ की घोषणा की थी। Nasdaq अभी भी 2 अप्रैल के अपने स्तर से 2.7% नीचे है। इस तेजी से पहले S&P 500 बियर मार्केट की चपेट में आने वाला था। ट्रंप की घोषणा के बाद निवेशकों ने जमकर शेयर खरीदे और बाजार में तेजी आ गई। लेकिन अब भी अनिश्चितता बनी हुई है क्योंकि ट्रंप ने चीन के साथ ट्रेड वॉर को और बढ़ा दिया है। उन्होंने टैरिफ की दरें 104% से बढ़ाकर 125% कर दी हैं।

मुंबई हमले के आरोपित तहव्वुर राणा को अमेरिका से लेकर भारत आ रहे विशेष विमान के आज दोपहर दिल्ली पहुंचने की संभावना

वाशिंगटन/नई दिल्ली। अमेरिका से मुंबई आतंकवादी हमले के प्रमुख आरोपित 64 वर्षीय तहव्वुर राणा को लेकर कल शाम लगभग सात बजकर 10 मिनट पर भारत के लिए रवाना विशेष विमान के आज दोपहर लगभग 12 बजे तक राष्ट्रीय राजधानी के पालम एयरपोर्ट पर पहुंचने की संभावना है। एयरपोर्ट पर दिल्ली पुलिस के जवान और स्वाट कमांडो पहुंच चुके हैं।

पालम एयरपोर्ट से उसे बुलेटफ्रूप गाड़ी से सीधे राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) मुख्यालय (लोधी रोड) ले जाया जाएगा। अधिकारियों का कहना है कि मुख्यालय में उसे सबसे पहले एएनआई गिरफ्तार करने की औपचारिकता पूरी करेगी। इसके बाद उसे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से पटियाला हाउस कोर्ट में पेश कर एजेंसी पूछताछ के लिए रिमांड की मांग सकती है। बताया गया है कि विशेष विमान में एनआईए और रॉ की स्पेशल टीम मौजूद है। उड़ान के आज दोपहर तक भारत पहुंचने की संभावना है। पूछताछ की अविध पूरी होने के बाद उसे दिल्ली की तिहाड़ जेल में शिफ्ट किया जा सकता है।

मुंबई हमले से दहला देश, हुआ एनआईए का गठन राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) का गठन भारत सरकार ने 26 नवंबर 2008 के मुंबई हमले के बाद किया था। यह केंद्रीय आतंकवाद विरोधी कानून प्रवर्तन एजेंसी के रूप में कार्य करती है। इसका मुख्यालय नई दिल्ली के लोधी रोड के सीजीओ कॉम्प्लेक्स में है। यह एजेंसी देश की संप्रभुता, सुरक्षा और एकता को प्रभावित करने वाली आतंकी गतिविधियों की जांच करती है। इसका अधिकार क्षेत्र पूरा देश है।

तहव्वुर अमेरिका में संघीय जेल ब्यूरो की हिरासत में नहीं अमेरिका में संघीय जेल ब्यूरो ने इस बात की पुष्टि की है कि तहव्वुर हुसैन राणा आठ अप्रैल से उसकी हिरासत में नहीं है। पाकिस्तानी-कनाडाई मूल का राणा 2008 के मुंबई आतंकी हमलों के मुख्य साजिशकर्ताओं में से एक पाकिस्तानी अमेरिकी नागरिक डेविड कोलमैन हेडली उर्फ दाउद गिलानी का करीबी सहयोगी है।

मुंबई हमले में पाकिस्तान की भूमिका एबीसी न्यूज डॉट कॉम की 25 नवंबर, 2009 को प्रसारित खबर में कहा गया था कि पहली बार पाकिस्तान ने अपनी सेना और शिकागो के दो लोगों के बीच संबंधों को स्वीकार किया है। इन पर डेनमार्क में आतंकवादी हमले की योजना बनाने का आरोप है। पाकिस्तान की सेना के तत्कालीन मुख्य प्रवक्ता मेजर जनरल अतहर अब्बास ने पुष्टि की कि डेविड हेडली और तहव्वुर राणा के साथ संबंधों के लिए एक सेवानिवृत्त मेजर को गिरफ्तार किया गया है। पिछले महीने एफबीआई ने 2005 में पैगंबर मोहम्मद के कार्टून प्रकाशित करने वाले डेनिश अखबार पर आतंकवादी हमले की योजना बनाने के आरोप में इन लोगों को गिरफ्तार किया।

अदालती दस्तावेज हेडली और राणा को लश्कर-ए-तैयबा से जोड़ते हैं। लश्कर-ए-तैयबा पाकिस्तान स्थित आतंकवादी संगठन है। उस पर 2008 में मुंबई (भारत) पर हुए हमलों और 2001 में भारतीय संसद पर हुए हमले का आरोप है। हालांकि इसके बाद पाकिस्तान ने आतंकवादी समूह लश्कर-ए-तैयबा पर प्रतिबंध लगा दिया। बावजूद इसके लश्कर-ए-तैयबा पाकिस्तान में सक्रिय है। लश्कर-ए-तैयबा अभी भी भारत में हमलों के लिए आतंकियों की भर्ती कर रहा है। इस आतंकवादी समूह का गठन पाकिस्तान की जासूसी एजेंसी आईएसआई ने 1980 के दशक के अंत में अफगानिस्तान और भारत पर हमला करने के लिए किया था।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0 I31-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569